मेरा राजस्थान

वर्ष-२०, अंक-१२, मुम्बई, फरवरी २०२६ सम्पादक-बिजय कुमार जैन पृष्ठ ४० मूल्य -१००.०० रूपए प्रति

राजस्थानियों के विचारों के साथ समस्त राजस्थान समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका

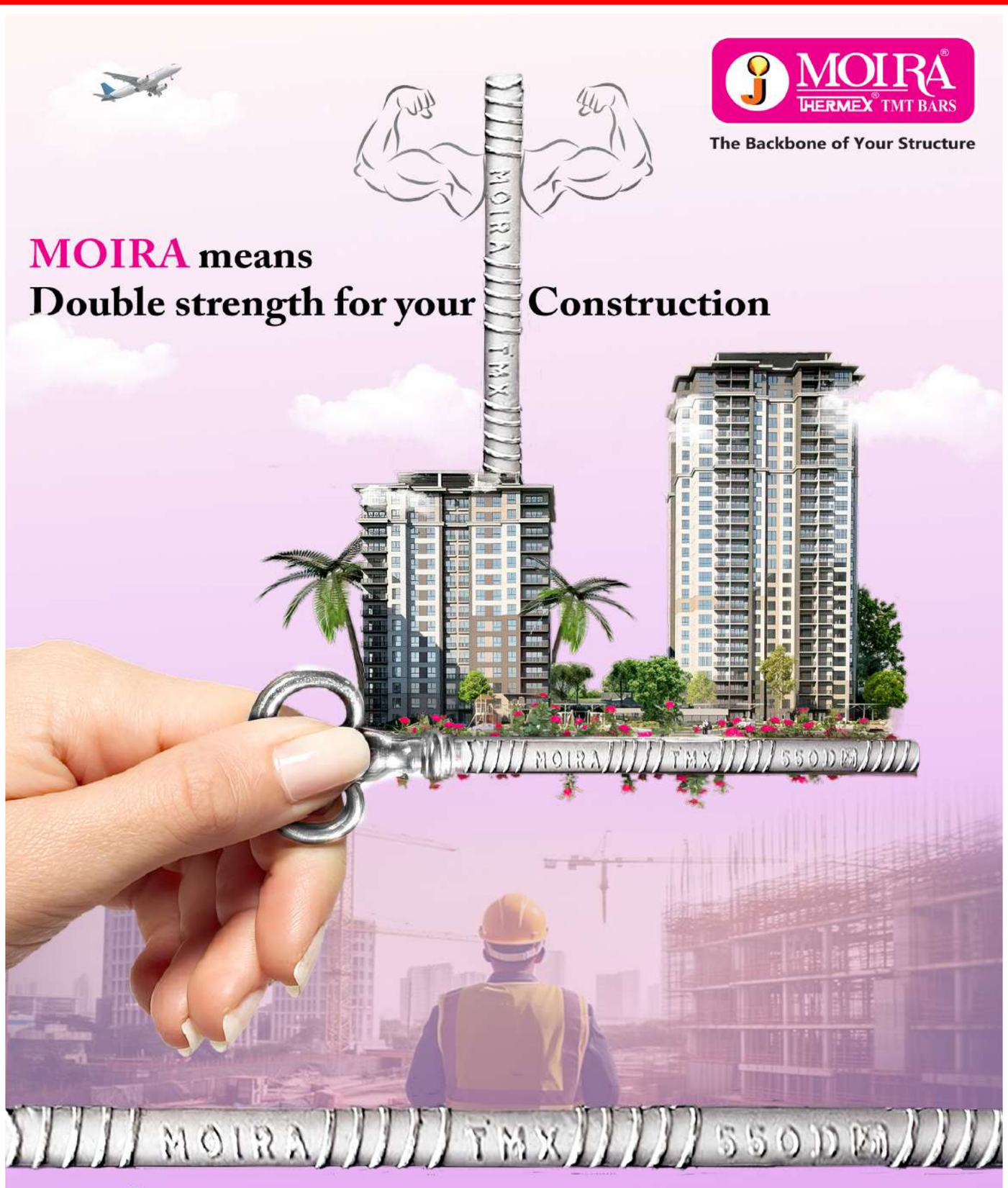

MOIRA
THERMEX TMT BARS
The Backbone of Your Structure
MOIRA means
Double strength for your Construction
MOIRA TMX 550D
Available In : Fe 550, Fe 550D, Fe 600 & CRS
JAIDEEP METALLICS
& Alloys Pvt. Ltd.
106 / 107 / 108, 1st Floor, Neha Ind. Estate, Behind CCI Ltd., Off Dattapada Road, Borivali (E),
Mumbai - 400 066. Phone : +91 2242032000 Fax : +91 22 42032020
Email : ajay@moiratmt.com | marketing@moirantmt.com

चलो गाय की ओर... चलो गाँव की ओर... चलो प्रकृति की ओर !

गौमाता बनें राष्ट्रमाता

भारत में पहली बार गौपालकों के लिए फीचर फिल्म का निर्माण

भारत में बनने वाली पहली फीचर फिल्म
गौमाता के दूध-गोबर-मूत्र से बनने वाले उत्पादों के विवरण के साथ
एक ऐसी मार्मिक कहानी कि

हर कोई कहे कि मां के साथ तू है मेरी गौमाता
सारे जग का है तुझसे अभूतपूर्व नाता

निर्माता

भारत सरकार द्वारा पंजीकृत क्र. U80300MH2021NPL369101
12A Reg No. AAPCM0514R25MB01 / 80G Reg No. AAPCM0514R25MB02 / CSR Reg No. CSR00101842

मैं भारत हूँ फाउंडेशन

भारतीय संस्कृति की ओर अग्रसर

गौमाता को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान दिलाकर
'गौवत्स' बन अपना कर्तव्य निभाएं

विशेष जानकारी के लिए संपर्क करें

बिजय कुमार जैन
वरिष्ठ पत्रकार व संपादक
राष्ट्रीय अध्यक्ष, मैं भारत हूं फाउंडेशन
९३२२३०७९०८

भारत को केवल 'भारत' ही बोले इंडिया नहीं, जय भारत!

निवेदक

राष्ट्रीय अध्यक्ष	राष्ट्रीय महामंत्री	राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष	पद्मश्री व प्रसिद्ध भजन गायक	राष्ट्रीय सांस्कृतिक निर्देशक
बिजय कुमार जैन, मुंबई	शोभा सादानी, कोलकाता	डॉ. गोविंद माहेश्वरी, कोटा	निशा लड्ढा, कोलकाता	अनुप जलोटा, मुंबई	दिलिप सेन, मुंबई
मो. 9322307908	मो. 8910628944	मो. 9414183919	मो. 9830224300	मो. 9821069089	मो. 93228 66476

राष्ट्रीय सांस्कृतिक मंत्री	पूर्वांचल उपसभापति	उपाध्यक्ष	राष्ट्रीय सांस्कृतिक मंत्री	उत्तरांचल उप सभापति	अंतर्राष्ट्रीय संयोजक	अंतर्राष्ट्रीय संयोजक
वर्षा मूंधड़ा, कोलकाता	सुशीला पुगलिया, कोलकाता	कांता गगरानी, आगरा	रवि जैन, मुंबई	पूरण डावर, आगरा	अरूण मूँधड़ा, हॉस्टन, अमेरिका	किशोर जैन, लंदन, यूके
मो. 9874272916	मो. 8617203712	मो. 9837888088	मो. 8108843571	मो. 9837065440	मो. 01(919)610-7106	मो. 044(770)3827595

! धर्मतत्त्वप्राशाय विश्वकल्याण हेतवे ! सर्वसिद्धिप्रदात्रीं गां वारंवारं नमाम्यहम् !

मेरा राजस्थान
राजस्थानियों के विचारों के साथ समस्त समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका

राष्ट्रमाता बनें
निवेदक: मैं भारत हूँ फाउंडेशन

८ गोवंश रक्षा, संवर्धन...

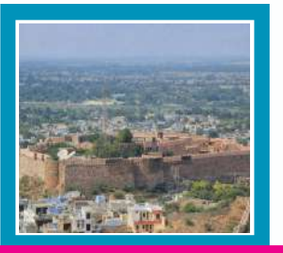

१० सोजत....

१७ श्री उम्मेद गौशाला...

२० बीकानेर में महेश ट्रेड फेयर...

२७ सृष्टि के रचयिता...

फरवरी २०२६ के अंक की झलकियाँ

और भी बहुत कुछ....

'मेरा राजस्थान मार्च २०२६ री विशेषतावां

होली

मेरा राजस्थान
सम्पादक-विजय कुमार जैन
राजस्थानियों के विचारों के साथ समस्त समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका

समस्त राजस्थानियों की विश्वस्तरीय पत्रिका
'मेरा राजस्थान'
२२ वें वर्ष में प्रवेश

'मेरा राजस्थान' के प्रबुद्ध पाठकों व विज्ञापनदाताओं से निवेदन है कि पत्रिका के बारे में अपने विचार मो. ९३२२३०७९०८ व्हाट्सएप पर भेजें ताकि 'मेरा राजस्थान' पत्रिका को और भी पठनीय व संकलनीय बनाया जा सके।

जय-जय राजस्थान! जय गौमाता! जय भारत!

- संपादक

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!

INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
INDIA GATE का नाम

Remove INDIA Name From The Constitution
'भारतद्वार' लिखवायें

मैं भारत हूँ फाउंडेशन
भारत को 'भारत' ही बोला जाए
www.mainbharathun.co.in

Dr. Gopal Sharma (M.D.)

Mob: 98932 62390

VISHWAKARMA INDUSTRIES

National & International Awarded Company

Manufactures Of: Rice Mill Plant, Modern Flour Mill, Fly Ash Bricks Plant

Ambikapur Road, Katghora, Korba, Chhattisgarh, Bharat - 495445

Email: vewktg1@gmail.com | **Web:** www.vishwakarmaktg.com

मेरा राजस्थान
राजस्थानियों के विचारों के साथ समस्त समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका

वर्ष-२०, अंक १२, फरवरी २०२६

१२ अंक वार्षिक १२००/-

सम्पादक : बिजय कुमार जैन

वरिष्ठ पत्रकार व सम्पादक
भारत को केवल BHARAT ही बोला जाए
का आव्हान करने वाला भारत माँ का लाडला

उपसम्पादक - संतोष जैन 'विमल'
कार्यकारी सम्पादक - अनुपमा शर्मा (दाधीच)
मो. 9702205252

'मेरा राजस्थान' के संरक्षक
स्व. रामनारायण घ. सराफ, मुम्बई

सम्पर्क करें...
सम्पादकीय कार्यालय
गेलार्ड पब्लिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड
की शानदार प्रस्तुति

मेरा राजस्थान
राजस्थानियों के विचारों के साथ समस्त समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका

बी- २१७, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व,
मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत - 400 059. दूरध्वनि - 022- 4015 8094

भ्रमणध्वनिः 9322307908

अणुडाकः **mailgaylordgroup@gmail.com**
mainbharathunfoundation@gmail.com
अन्तरताना : **http//: www.merarajasthan.co.in**
http//:www.bijayjain.com

https://www.facebook.com/merarajasthanpatrika/
https://x.com/merarajasthan01
https://www.instagram.com/mera_rajasthan10/
https://www.youtube.com/@Merarajasthan10

कृपया विज्ञापन बिल, सदस्यता शुल्क के साथ सहयोग राशि का भुगतान नीचे दिये गए बैंकों में जमा करा सकते हैं

HDFC Bank
Andheri East Branch
RTGS / NEFT
IFSC: HDFC 0000592.
Account No.05922320003410

State Bank Of India
(01594) Marol Mumbai Branch.
IFS Code :SBIN0001594.
Account No. 030338727406.
in the name of GAYLORD PUBLICATIONS PVT.LTD.
Payment Transfer & Inform to us on: 9322307908 UPI No.

जय जय राजस्थान
जय जय राजस्थानी

संपादकीय ....

मेहंदी के रंग में झूमे संसार
मेहंदी के रंग से बढ़ता रहे प्यार

भारतीय संस्कृति का सबसे प्यारा रंग, जो की 'मेहंदी' से रंगता है, फैलता है, चमकता है, श्रृंगारित होता है, खुशनुमा होता है, ऐसी प्यारी प्रकृति द्वारा मिलने वाली 'मेहंदी का जनक ही तो है 'सोजत', राजस्थान के 'पाली' जिले का एक शहर 'सोजत' में पैदा होने वाली 'मेहंदी' जो अपने रंग से 'भारत' को ही नहीं, पूरे विश्व को खुशनुमा रंग से रंगीन कर रही है।

वैसे तो 'सोजत' में चुना और तांबा की भी पैदावार होती रही है पर प्रकृति द्वारा प्रदत्त 'मेहंदी' विशेषकर भारतीय महिलाओं को आत्मविभोर ही नहीं, आनंदित भी कर देती है, आखिरकार क्यों नहीं, जब कोमल हाथों में 'मेहंदी' का रंग चढ़ता है तो महिला परिवार की धूरी बन जाती है, प्यार लूटाने वाली बन जाती है।

'सोजत' की पावन माटी धर्मिली भी है, मंदिरों के पावन धर्मस्थल के साथ कई प्रात: वंदनियों का जन्म भी हुआ है 'सोजत' में, भारतीयों की राष्ट्रमाता 'गाय' की सेवा भी भरपूर होती है 'सोजत' में, ऐसी पावन माटी को 'मेरा राजस्थान' परिवार नमन करता है और विश्व में फैले 'सोजत' वासियों को धन्यवाद भी देता है, क्योंकि 'सोजतवासी' अपने मेहनती विचारों से 'सोजत' की खुशबू को विश्व में बिखेरते ही नहीं 'सोजत' का नाम व सम्मान भी विश्व में बढ़ा रहे हैं।

वर्ष २०२६ की ३१ जनवरी को सुथार-जांगिड़ समाज 'विश्वकर्मा जयंती' धूमधाम से मनाएंगे, विश्व में फैले भगवान विश्वकर्मा को मानने वाले सभी भारतीय बंधु-बांधवों को मेरा नमन,जो अपने शिल्पी कार्यों से 'भारत' की सुंदरता को चार चांद ही नहीं लगा रहे, विश्व में 'भारत' का नाम भी रोशन कर रहे हैं, ऐसे शिल्पकारों व भगवान विश्वकर्मा के भक्तों को मेरा सादर प्रणाम!

३० मार्च २०२६ 'राजस्थान स्थापना दिवस' (नौवें वर्ष में प्रवेश करते हुए) 'आपणों राजस्थान' व ३१ मार्च २०२६ को 'महावीर जनकल्याणक पर्व' इस वर्ष एकसाथ आने से, हम राजस्थानी 'भारत' का ही एक राज्य 'महाराष्ट्र' की सांस्कृतिक नगरी 'पुणे' (पुना) में मनाने जा रहे हैं, जहां भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए, इंडिया नहीं, अभियान के साथ 'गौमाता बनें राष्ट्रमाता' अभियान की सफलता के लिए कार्यक्रम होगा और भारी जनसंख्या के बीच 'जय भारत' व 'जय गौमाता' का डंका भी बजायेंगे हम भारतीय राजस्थानी...

जय भारत! जय गौ माता!

SBI BANK
for payment

HDFC BANK
for payment

आपका अपना
बिजय कुमार जैन
वरिष्ठ पत्रकार व सम्पादक
हिंदी सेवी-पर्यावरण प्रेमी
भारत को भारत कहा जाए का आव्हान
करने वाला एक भारतीय
मो.९३२२३०७९०८

भारत को भारत ही बोलें INDIA नहीं, जय भारत!

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!

INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
INDIA GATE का नाम

Remove INDIA Name From The Constitution
'भारतद्वार' लिखवायें

AGARWAL GROUP OF COMPANIES

Where you matter

MahaRERA No. P51800078684
maharera.mahaonline.gov.in

Aura of prosperity

AGARWAL

java

GOREGAON EAST

SIGNATURE 2, 3, 4 & 5 BHK DECK RESIDENCES STARTING AT ₹1.89CR.

Upper Govind Nagar, Goregaon East | **900 400 2018**

www.agarwalgroup.net.in

गोवंश रक्षा, संवर्धन, पालन में सहयोग कर अपना कर्तव्य निभायें-मेरा राजस्थान

भारत में गोवंश की दुर्दशा और उसके कारण देश और देशवासियों का दुर्भाग्य, कुछ दशकों पहले गोवंश के बिना खेती, परिवहन, सिंचाई, पेराई, भोजन, स्वास्थ्य, इतना की गृहप्रवेश तक भी नहीं सोचा जाता था, सबसे बड़ा पुण्य 'गोदान', सबसे बड़ी सेवा-गोसेवा, कही जाती थी, यह प्रभु की रचना कामधेनु, कपिला, नंदीनी, और नंदी, वर्षभराज जैसे नामों से पूजी जाती थी।

महामना मदनमोहन मालवीय देश की स्वतन्त्रता का अर्थ गोरक्षा से लगाते थे, यानी देश के आजाद होने पर कलम की पहली नोक से देश में गोहत्या रोक दी जाएगी, ऐसा संकल्प पूजनीय मालवीय जी, लोकमान्य तिलक जी और महात्मा गाँधी जी जैसी महान विभुतिओं का था।

मथुरा-वृन्दावन मार्ग पर स्थित 'हासाराम गोशाला शायद' इसी का प्रमाण है जो परम गोभक्त हासाराम जी, जिन्होंने कांग्रेस के अधिवेशन में जब मुंह काला कर प्रवेश किया, तो महामना ने कहा कि जब तक 'गौहत्या' का कलंक भारत में है, हम सभी का मुख काला रहेगा और कहा कि भारत को आज़ादी मिलते ही, देश से गोहत्या का कलंक मिटा दिया जायेगा और मुंह धुलवाया था। महात्मा गांधी जी ने कितनी ही बार गोरक्षा को 'भारत' की स्वतन्त्रता बड़ा प्रश्न कहा था, जिस पार्टी की यह बात है वो तो दो बैलों की जोड़ी फिर गाय-बछड़ा देश को दिखा कर, हाथ दिखा चुकी। भूतपूर्व मुख्य न्यायाधीश गुमानमल जी लोढा के नेतृत्व में 'राष्ट्रीय गोवंश आयोग' का गठन किया, इस आयोग ने बहुत ही कम समय में पूर्ण देश का भ्रमण कर, न्यायविद, कृषि वैज्ञानिक, धर्मशास्त्री, गोपालक सभी की राय का समावेश कर १६८० पन्नों की ४ खंडों की एक रिपोर्ट उप प्रधानमंत्री लाल कृष्ण अडवानी को समर्पित की, यह रिपोर्ट पूर्ण गोवंश रक्षा, संवर्धन, उत्पादन, गोशाला संवर्धन विषय पर मील का पत्थर साबित हुई, हमारा अगला कदम देश में पूर्ण गोवंश हत्या निषेध हो, जनमानस की सोच से पता चलता है कि विश्वमंगल गौ ग्राम यात्रा से, देश के ४,११,७३७ ग्रामों और शहरों में स्वागत हुआ और जाति, धर्म, क्षेत्र की सीमाओं को तोड़ते हुए ८ करोड़ ५० लाख हिन्दू, मुसलमान, ईसाई, ग्रामीण, शहरी, आदिवासी भारत के नागरिक गोभक्तों ने हस्ताक्षर किये, जो महामहिम राष्ट्रपति जी को भी दिए गये।

हम भारतीय क्या चाहते हैं..?

हम चाहते हैं पूर्ण गोवंश रक्षा विधिविधान से, अर्थ उपार्जन में गोवंश के योगदान से, धर्ममार्ग से, जन जागरण से अन्य सभी उचित मार्गों से आर्ज गोवंश हत्या पर रोक लगाने का अहम् प्रयास किया जाये और केन्द्रीय सरकार पर पूर्ण दबाव भी बनाया जाये। पूर्व सांसद श्री गोपाल जी व्यास ने कृषि मंत्री जी के सामने विषय भी रखा। आज भी देश के कई राज्यों जैसे की केरल, नागालैंड, मिजोरम, मेघालय, त्रिपुरा आदि में गोवंश हत्या का निर्मम कानून ना होने के कारण गौ भक्तों की आँखों के सामने चल रहा है, असम सरकार ने संज्ञान लेते हुए महत्वपूर्ण गौवंश हत्या निषेध अधिनियम पारित किया। महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, मध्यप्रदेश झारखंड आदि राज्य सरकारों ने पूर्व अधिनियमों में महत्वपूर्ण परिवर्तन कर गौवंश रक्षा में कदम बढ़ाए हैं।

भारत के संविधान के निर्देश सिद्धांत ४८ का गोवंश हत्या को रोकने में प्रयास होना चाहिए था, लेकिन गोहत्या में उपयोग हो रहा है, इस मूक प्राणी को अनुपयोगी और कृषक पर भार बताते हुए १२ वर्ष के ऊपर के बैल काटना वैधानिक घोषित यानी कसाई के हाथ में तलवार देना हो गया है और इस छूट के आधार पर सुंदर, सदृढ बैलों की जोड़ियाँ तो काटी ही जा रही हैं, इनके साथ नवजात बछड़े, बछियाँ भी गोमांस के लिए काटी जा रही हैं, जिन राज्यों जैसे केरल, आसाम आदि में गोरक्षा कानून भी नहीं है या जो बंगलादेश, पाकिस्तान से जुड़े हैं, हम उनके गोवंश आपूर्तिकर्ता हो गये हैं। भारत की कृषि उत्पाद मंडियां, जिनमें गोवंश भी एक वस्तु माना गया है, प्रति सप्ताह कसाई और उनके दलालों से भरी पाई जाती हैं और जिस देश के मोटर यातायात नियम एक ट्रक में ४-५ से ज्यादा पशु लादने पर रोक लगाते हैं, उस देश में सरकारी पुलिस, यातायात, वन, मंडी, पशु कल्याण विभागों के विभिन्न विधि विधानों को तोड़ते हुए एक ग्राम से दुसरे ग्राम, एक जिले से दुसरे जिले, एक राज्य से दुसरे राज्य की सभी व्यवस्थाओं के साथ समझोता करते हुए कसाईखानों में पहुंचा दिए जाते हैं। भारत सरकार के जीव जंतु कल्याण बोर्ड के आदेशानुसार पशु व्यापार और कसाईखानों का दौरा, जिंदा गाय को कैसे काटा जा रहा, अनुचित है। खाद्य सुरक्षा अधिनियम में देश के हर जिले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा खाद्य सुरक्षा अधिकारी नियुक्त किए गए हैं, जिनका कार्य सभी खाद्य विक्रय स्थल, निर्माण स्थल, मंडियों आदि में अधिनियमों का पालन करवाना और अवैधानिक कार्यों को रोकना है। 'मेरा राजस्थान' पत्रिका के प्रबुद्ध पाठक अपने राज्यों, जिला, शहर, ग्राम शाखाओं का विकास कर अपने क्षेत्र में कार्यकर्ताओं को विधि विधान की पूर्ण जानकारी प्रदान करें और अपने अपने क्षेत्रों की समस्याओं से राष्ट्रीय प्रकोष्ट को साथ लें, जो भी केन्द्रीय और राज्यों के कानून हैं उनका अगर सही पालन करवा सकें तो हम पूर्ण गोवंश रक्षा में सफल हो सकते हैं।

कोई भी धर्म हिंसा नहीं सिखाता, 'नहीं पहुँचते अल्लाह के पास लहू-गोस्त के लुकमे, पहुँचती है परहेजगारी' हमारे देश में शिक्षा विभाग को हमें चेताना और विद्यार्थिओं को सही मार्ग दर्शन देना होगा।

भारत के १४२ करोड़ की विशाल जनसंख्या वाले देश में सरकारी आंकड़ों के अनुसार देशी-विदेशी, नर-मादा बछड़े-बछिया सभी मिला कर गोवंश ३२,५७,५८,२५० पाया गया है, अगर भैंसों को भी मिला लें तो यह ४५ करोड़ माना गया है, हालाँकि इसका ७०% भी गोवंश शायद नहीं बचा है। **शेष पृष्ठ ९ पर...**

पृष्ठ ८ से... सरकारी आंकड़ों को सही मान लें तो हमारे पास लगभग २०.५ करोड़ गौमाता है, जो प्रति वर्ष कम से कम ६ करोड़ नये गोवंश को जन्म देती है और यह ६ करोड़, इसी अनुपात से १० करोड़ भैंस भी लगभग ३ करोड़ भैंसों को जन्म देती है, यह प्रजनन पूर्णतया गोचर ही नहीं होता, यानी लगभग ९-१० करोड़ गाय, बैल, भैंस, रु. २,००,००० करोड़ का २ करोड़ टन गोमांस प्रदान करती हैं। ५०,००० करोड़ की चर्बी, हड्डी, खून, आदि की व्यापार होता है, २.५० लाख करोड़ का व्यापार देश के विकास में कोई सहयोग नहीं देता पाया गया, ना ही ग्रामीण विकास में, ना ही रोजगार देने में समर्थ है, सिर्फ कुछ विशेष सम्प्रदाय के लोगों, विभिन्न विभागों के निरक्षकों, अधिकारिओं, राजनीतिज्ञों को, जो इस घृणित व्यवसाय से जुड़े हैं, को समृद्ध बना रहा है।

देश का सर्वहारा गोपालक, कृषक आज आत्म हत्या कर रहा है, क्योंकि उसको महानाशकारी रासायनिक खाद दे दिया गया है, खेतों में ट्रेक्टर, नलकूप आदि के उपयोग ने बैल शक्ति को नीर उपयोगी बना दिया है। खेती की लागत में उर्वरक, जल और डीजल मुख्य घटक बन चुके हैं, इसके अलावा देश की २५% भूमि चरागाहों के लिए रखी जाने के प्रावधान, आज शहरीकरण की दौड़ में कब्जा किये जा चुके हैं। ३० करोड़ गोवंश ४ टन प्रति वर्ष की दर से १२० करोड़ टन गोबर और ८० करोड़ किलो लीटर गोमूत्र प्रदान करता है, यह मात्र देश के विकास में सहायक होना चाहिए, आज पर्यावरण की समस्या बन गयी है, ग्राम-शहर की नालिओं से बह कर क्षेत्र के जलाशयों और नदिओं के जल स्तर को ऊँचा करती जा रही है, यह दीवानगी भरा मूक प्राणी संहार आज पर्यावरण, स्वास्थ्य, स्वच्छता, रोजगार विकास, ग्रामीण विकास को तहस-नहस कर रहा है.

अगर इस गोवंशशक्ति को उपयोग में लाया जाये तो १२० करोड़ टन गोबर ५०,००० करोड़ का प्राकृतिक उर्वरक, ३५,००० करोड़ की १०,००० करोड़ यूनिट बिजली और (एक बैल ८ अश्वशक्ति) ८० करोड़ अश्व शक्ति के सामान बैलशक्ति देश की ग्रामीण विद्युत्, इंधन और पेय जल समस्या का निदान है।

बैल शक्ति का कृषि, सिंचाई, परिवहन, अन्य कल कारखानों को चलने में उपयोग ग्रामीण बेरोजगारी समाप्त कर ग्राम विकास की धुरी बन, भूतपुर्व राष्ट्रपति डॉ.ए.पी. जे. अब्दुल कलाम जी की कल्पना (ग्राम में शहर की सुविधा) को पुरा कर सकता है। कृषक और गोपालक की लागत में कमी लाकर, कृषि को लाभदायक बनाते हुए हमारा 'गोवंश' देश की अर्थ व्यवस्था में अशीम योगदाता बन सकता है। पचासिओं वस्तुओं के निर्माण का साधन, अगर राज्य और केंद्र सरकारें, इस और तनिक ध्यान दे, तो ग्रामीण उद्योग, देश की अर्थ व्यवस्था में खरबों रुपये का योगदाता बन सकता है।

बीसिओं वस्तुएं जैसे साबुन, शेम्पू, फिनियाल, धूप, अगरबती, रंग रोगन, कीमती टायल, प्लाई बोर्ड, मूर्ति, कागज, उर्वरक, कीटनियंत्रक, १७० रोगों की रोकथाम दवाईयां, मच्छर नियंत्रक तेल, कोइल और तो और गोकोला, गोज्योती जैसी विभिन्न दैनिक जरुरत में काम आने वाली वस्तुएं जो कि विभिन्न विदेशी महाकंपनियों द्वारा विज्ञापन के जोर से जनमानस में जहर की तरह घुटी जा रही हैं, उन्हें ग्राम-ग्राम में बना कर लाभप्रद गोवंश उद्योग में जोड़ कर गोबर से रु.५ और गोमूत्र से रु. २० प्रति लिटर के दाम प्राप्त कर, गोपालक को समृद्ध और गोवंश में बढ़ोतरी की जा सकती है।

देश का प्रथम गोवंश आधारित उद्योग 'गोवर्धन ओरगेनिक लिमिटेड' आज लगभग ५०,००० किलो गोबर और ५००० लिटर गोमूत्र उपयोग क्षमता के साथ पार्टिकल बोर्ड, फिनायल, हस्त प्रक्षालन पावडर गोमूत्र अर्क, आदि का सफलता पूर्वक उत्पादन कर रहा है, केवल गोवंश ही नहीं पर्यावरण में योगदान देते हुए प्रतिवर्ष लगभग १,००,००० वृक्षों की रक्षा करेगा, अगर पूर्ण गोवंश द्वारा प्रदित गोबर, गोमूत्र का लेखा-जोखा करें तो करोड़ों वृक्षों की रक्षा का यह साधन है।

ओजोन परत भारत के विषय में पढ़ा होगा, कार्बन क्रेडिट के रूख में अगर हम एक टन कोयले, तेल ईंधन की बचत करते हैं तो विदेशी कम्पनिओं से डॉलर प्राप्त होते हैं, इस प्रकार के उद्योग लगाये जाएं तो १२० करोड़ टन गोबर हमें १८०० करोड़ डॉलर विदेशी मुद्रा लाने में सहायक हो सकता है।

राष्ट्रीय और प्रांतीय सरकारों के विभिन्न मंत्रालयों के कार्यों में गोवंश जुड़ा हुआ है। कुछ विभाग निम्नलिखित हैं 'गोवंश विकास प्रकोस्ट' यह सभी जानकारियाँ आपके माध्यम से देश के कोने कोने में पहुंचा कर सर्वहारा के रोजगार, सुन्दर जीवनयापन, जाएं स्वास्थ्य की कल्पना करते हुए सन्देश हर घर पहुंचा सकते हैं।

आईये हम आज से ही ध्यान दें:

⇨ केन्द्रीय और प्रांतीय सरकारों पर दबाव बना कर गोबध बंदी नियमों को कठोरता पूर्वक लागू करवाने का उदाहरण पेश करें और पुर्ण गोवंश हत्याबंदी बंदी और अवैधानिक कसाई खानों को रुकवाएं।

⇨ केन्द्रीय एवम राज्य सरकारों से बजट में विभिन्न योजनाओं में गोवंश आधार शामिल करने का प्रयास रुकवाएं।

⇨ केन्द्रीय और राज्य सरकारों को गोवंश आधारित उद्योग स्थापना में प्रोत्साहन देने का अनुरोध करवाएं।

⇨ हर जिले में कामधेनु अरण्य के निर्माण का प्रयास करवाएं।

⇨ विदेशी नस्ल से गर्भाधान बंद हो और देसी नस्ल सुधार को प्रोत्साहन करवाएं।

⇨ चारागाह क्षेत्रों की सूची बना कर जिला प्रशासन से विमुक्त करवा गोपालक, गोशाला व् कृषक को चारा उगाने को दिलवाने का प्रयास करवाएं।

⇨ जैविक खाद और कीटनियंत्रक के विक्रय और केंद्र और राज्यों से छूट का अनुरोध करवाएं।

⇨ गोवंश आधारित उद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना, राजकीय विभिन्न अनुदान, कर रियायतें राज्य बजटों का भाग बनवाएं।

⇨ आदर्श ग्राम योजना, जिसमें जैविक कृषि, गोवंश आधारित उद्योग, बैल चालित उपकरण उपयोग में लाकर जल, ईंधन, विद्युत्, परिवहन, उर्वरक, किट नियंत्रक, दुग्ध और इसके उत्पाद प्रारंभ कर पूर्ण ग्राम उत्थान करवाएं।

⇨ हर तहसील में गोशाला, नंदीशाला, वृषभशाला हो जो आत्मनिर्भरता का कार्य करें, गोवंश नस्लसुधार कर देश के गोवंश को स्वास्थ्य, सुदृढ़ और सम्पन्न बनवाएं, अगर हम आज कमर कस लें तो यक़ीनन, देश के हर गाँव, हर शहर में हम गोवंश विकास की धारा बहा देंगे।

गोवंश की रक्षा, संवर्धन, ग्राम विकास, मानवसेवा के उच्चतम मानकों को स्थापित करते हुए 'गौमाता' के आशीर्वाद से भारतीय अर्थ व्यवस्था को, ग्रामीण उत्थान, युवा और महिला शशक्तिकरण में सहायक बनें ताकि गौमाता को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान प्राप्त हो सके। जय गौमाता! जय भारत!

-डॉ. श्री कृष्ण मित्तल
मैसुरु

सोजत

मेहंदी अजमो आमली खामदार न भाटा इतरा तो घणा रोजगार में घाटा

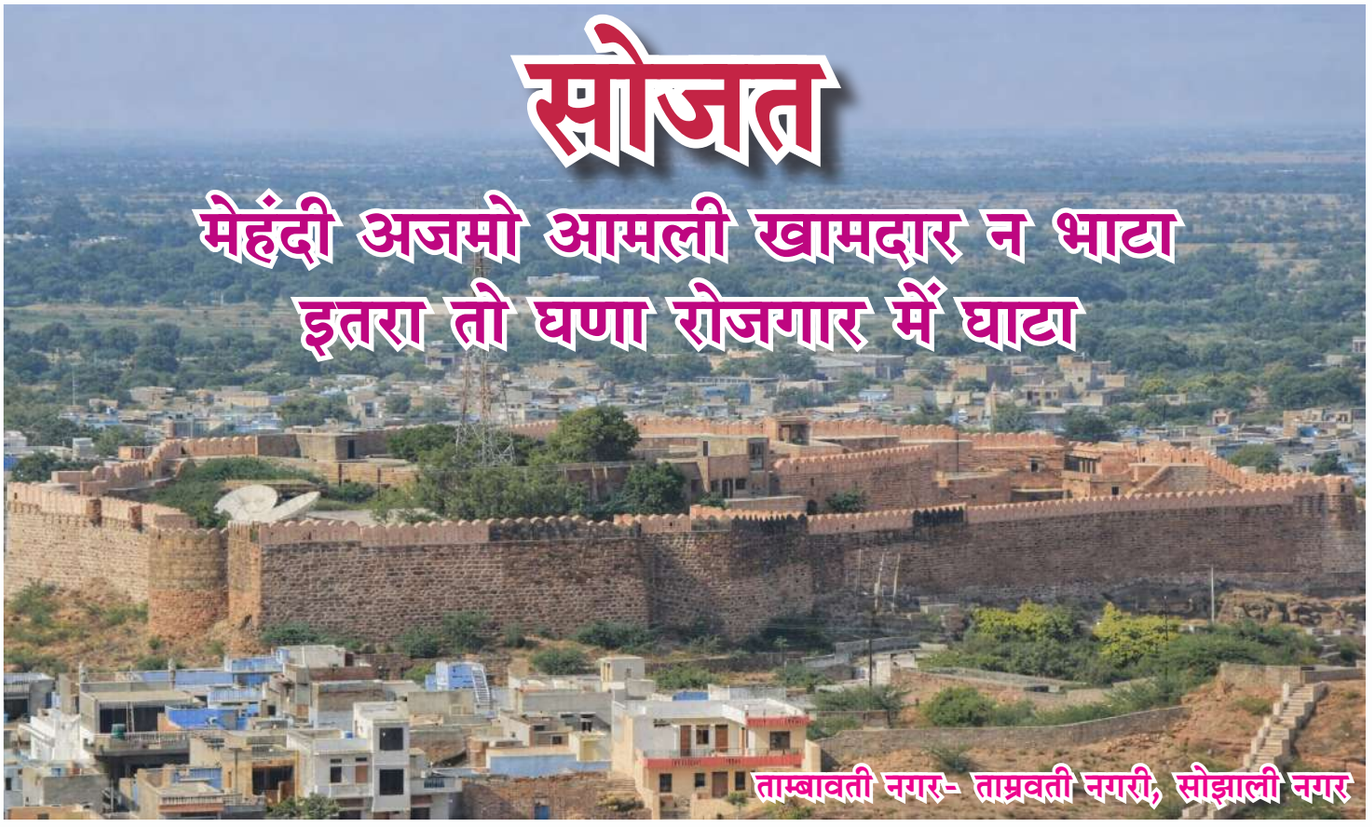

राजस्थान की आन-बान व शान सोजत सिटी:

ऋषि मुनियों की भूमि भारत वर्ष के मानचित्र में उत्तर-पूर्वी छोर पर स्थित राजस्थान प्रदेश अपने आप में विशाल क्षेत्रफल के साथ महाराणा प्रताप जैसे अनेक वीर महापुरूषों और रणबांकुरों की भूमि है, जहाँ एक ओर पद्मनी जैसी महारानी के बलिदान की शौर्यगाथा गाई जाती है तो दूसरी ओर भामाशाह जैसे महादानवीर जैन सेठों की गौरव गाथा से इसका नाम इतिहास के पृष्ठों पर स्वर्णाक्षरों में मण्डित हैं। राजस्थान प्रदेश विविधता से भरा पड़ा हैं, यहाँ अलग-अलग भाषाएँ, रंग-बिरंगी पौशाकें, विविधता लिए नृत्य, संगीत और भोजन के स्वाद, कहीं थार मरूस्थल तो कहीं हरियाली, झील, नदियाँ, झरोखेंदार हवेलियाँ तथा कहीं मिट्टी से बने मकान हर आगंतुक का मन मोह लेते हैं।

मेहन्दी नगर:

प्राचीन ऐतिहासिक एवं धार्मिक नगरी 'सोजत' के रक्त रंजित इतिहास के साथ-साथ धार्मिक आस्था के बीच परवान चढ़ती अध्यात्म की ज्योति तथा सुर्ख मेहन्दी की आभा ने इसे अन्तर्राष्ट्रीय मानचित्र पर प्रसिद्धि दिलवाई हैं। यह भूमि देवताओं की क्रीड़ा स्थली तथा ऋषि मुनियों की तपोभूमि प्राचीन सभ्यताओं की समकालीन रही है। शास्त्रों में 'शुद्धदेती' के नाम से प्रसिद्ध इस नगरी के नाम का सफर भी बड़ा ही रोमांचक एवं रोचक रहा है।

किंवदंती:

राजा त्रवणसेन के सोजत सेजल नाम की एक ८-१० वर्षीय पुत्री थी जो देवताओं की कला को प्राप्त कर शक्ति का अवतार हुई, यह बालिका आधीरात को पोल का द्वार बंद होने के बाद देवी की भाखरी पर चौसठ जोगनियों के पास रम्मत करने जाती थी राजा को शक होने पर उसने अपने प्रधान सेनापति बान्धर हल को उसका पीछा करने का निर्देश दिया, एक दिन सेजल के रात्रि में बाहर निकलने पर बांधर उसके पीछे पीछे भाखरी तक गया तब जोगनियों ने कहा आज तो तूं अकेली नहीं आई है, तब सेजल ने नीचे जाकर देखा तो उसे सेनापति नजर आया। सेजल ने कुपीत होकर उसे शाप देना चाहा तब वह उसके चरणों में गिर गया तथा बताया कि वह तो उनके पिताजी के आदेश से आया है, इस पर उसने बांधर को आशीर्वाद दिया तथा अपने पिता को शाप दिया, बालिका ने बांधर से कहा कि आज से राजा का राज तुझे दिया, तू इस गांव का नाम मेरे नाम 'सोजत' पर रखकर अमुक स्थान पर मेरी स्थापना करके पूजा करना, इतना कहकर वह देवस्वरुप बालिका जोगनियों के साथ उड़ गई। राजा को जब यह बात पता चली तो दुखी होकर उसने अपने प्राण त्याग दिए, इसी बांधर हुल ने सेजल माता का मंदिर एवं भाखरी के नीचे चबूतरा तथा पावता जाव के पीछे बाघेलाव तालाब खुदवाया, इसके बाद 'सोजत' पर कई वर्षों तक हुलों का राज रहा, जिसमें हरिसिंह हुल, हरिया हुल नाम से प्रसिद्ध राजा हुआ।

सोजत नगर - भौगालिक स्थिति:

धन्य धरां राजस्थान के दिल्ली-अहमदाबाद रेल्वे मार्ग पर अजमेर से दक्षिण की ओर पाली जिले के अन्तर्गत 'सोजत रोड़' पश्चिमी रेल्वे स्टेशन से महज १२ किमी (७ मील) की दूरी पर स्थित हैं 'सोजत नगर (सिटी)'।

शेष पृष्ठ ११ पर...

पृष्ठ १० से... अरावली पर्वत श्रृंखला से निकलती सुकड़ी नदी के तट पर २५.९२ अक्षांश उत्तर में तथा ७३.६७ अक्षांश पूर्व देशान्तर में बसे 'सोजत' का इतिहास अति प्राचीन एवं उल्लेखनीय घटनाक्रमों से परिपूर्ण है, यह नगर पाली से ४० किमी. (२५ मील) उत्तर पूर्व में, जोधपुर से ११५ किमी (७७ मील) दक्षिण पूर्व में तथा अजमेर से करीब १३२ किमी (७८) मील) दक्षिण पश्चिम में स्थित है। 'सोजत' का कुल क्षेत्रफल २५७ मीटर (८४३ फीट) हैं।

पौराणिक मान्यताः

पौराणिक मान्यता के अनुसार महाराजा बलि के महापराक्रमी पुत्र 'बाणासुर' ने धुंधलगढ़ के राजा को पराजित कर 'श्रोणितपुर' नामक विशाल नगर बसाया तथा इसे राजधानी बनाकर राज करने लगा। परम शिवभक्त बाणासुर ने श्रोणितपुर में अपनी साधना के लिए एक शिव मन्दिर बनाया, जो आज भी 'बाणकेश्वर **महादेव' के नाम से विद्यमान है।**

ऐतिहासिक पृष्ठभूमिः

राजस्थान के प्रसिद्ध इतिहासकारों के मतानुसार पृथ्वीराज चौहान के समकाल में इस स्थान पर ताँबें की बड़ी-बड़ी खानें थी, इसलिए इसे 'ताम्बावती' नगर या ताम्रवती नगरी के नाम से भी जाना जाता रहा, कालान्तर में यहाँ की खदानों में ताँबे की मात्रा कम हो जाने से ये खानें बन्द हो गई। सन् १०५४ में इस नगर को हुल्लावत राजपूतों (गेहलोत) ने पुनः बसाया और सेजल माता के नाम पर इस नगर का नाम 'सोझाली नगर' हो गया, जो अपभ्रंश होते-होते धीरे-धीरे 'सोजत नगर' के नाम से सुप्रसिद्ध हुआ।

सन् १४२७ में 'मण्डोर' के राव रणवल राठोड़ ने हुल्लों को हराकर 'सोजत' पर कब्जा कर लिया और इसे अपने पुत्र अखैराज को सौंप दिया। सन् १४३८ में महाराणा कुंभा ने 'मण्डोर' पर कब्जा कर लिया और 'सोजत' की जागीर राधवदास सहेसमलोत को पट्टे में दे दी, जिन्होंने यहाँ लक्ष्मीनारायण मन्दिर का निर्माण करवाया। 'मण्डोर' के राव जोधा ने सन् १४५४ में राधवदास को हराकर इस जागीर पर पुनः कब्जा कर लिया। सन् १४८८ में जब मुसलमानों ने 'सोजत' पर आक्रमण किया तो जोधा के पुत्र कुंवर सुजा ने बड़ी वीरतापूर्वक इस नगर की रक्षा की। सन् १५१५ में राव गंगा को 'सोजत' की गद्दी सौंप दी गई और फिर उसके सुपुत्र मालदेव ने इस नगर की महत्ता को ध्यान में रखते हुए यहाँ एक सुदृढ़ किला बनवाया। मालदेव के पुत्र राव चन्द्रसेन ने यहाँ किले के समीप एक तालाब बनवाया और शहर के चारों ओर सात दरवाजों सहित मजबूत दिवारी बनाई गई। सन् १५७३ में बादशाह अकबर ने हमला कर 'सोजत' पर कब्जा कर लिया। सात वर्षो के लगातार गुरिल्ला युद्ध के पश्चात् सन् १५८० में चन्द्रसेन पुनः 'सोजत' की गद्दी पर आसीन हुए। सन् १६०८ में बादशाह जहाँगीर ने अपनी सेना को मेवाड़ पर आक्रमण करने के लिए भेजा, तब महाराणा ने सुरक्षा के लिए अपने परिवार को 'सोजत' भेज दिया।

सन् १६७८ में जोधपुर नरेश जसवन्तसिंहजी की मृत्यु के पश्चात् बादशाह औरंगजेब ने 'सोजत' को अपने नियंत्रण में ले लिया। सन् १७०७ में महाराजा जसवन्तसिंहजी के पुत्र अजीतसिंहजी ने 'जोधपुर' के साथ पुनः 'सोजत' पर भी कब्जा कर लिया, 'जोधपुर' राज्य ने 'सोजत' की समृद्धि को देखकर यहाँ १८०७ में टकसाल भी चालू की तथा १८८८ तक यहाँ सिक्के ढलते रहे, सन् १८५७ के स्वतंत्रता संग्राम में 'सोजत' निवासियों का योगदान अविस्मरणीय रहा।

स्वतंत्रता पूर्व यहाँ 'जोधपुर' रियासत का एक हाकिम रहता था तथा एक सक्षम न्यायालय भी था, जहाँ पाली (जो अभी जिल्ला है) तक के न्यायिक मामलों की सुनवाई होती थी। **शेष पृष्ठ १२ पर...**

Kwality®
Goodness Inside

ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत के लिए प्रसिद्ध
सोजत के इतिहास प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएं

Bhawarlal, Rajesh, Naresh Pagariya
Nikhil, Sachin and Sahil Pagariya

Pagariya Food Product Pvt Ltd
Rajajinagar
Pagariya Enterprises
Contact: 9448238429, 9448991650

पृष्ठ ११ से... जैन जगत् के देदिप्यमान नक्षत्र, आचार्य सम्राट पूज्य श्री भूधरजी म.सा., आचार्य सम्राट पूज्य श्री रघुनाथमलजी म.सा. की जन्मभूमि एवं श्रमण सूर्य, मरूधर केसरी पूज्य प्रवर्तक श्री मिश्रीमलजी म.सा. की दीक्षा स्थली बनने का सौभाग्य भी 'सोजत नगर' को प्राप्त है। ज्ञातव्य है कि पूज्य मरूधर केसरी श्री मिश्रीमलजी म.सा. की दीक्षा अक्षय तृतीया, वि.सं. १९७५ (सन् १९१९) को परम पूज्य स्वामीजी श्री बुद्धमलजी म.सा. के पास हुई थी। मरूधर केसरीजी की इस नगर पर विशेष कृपा दृष्टि रही तथा कोट के मोहल्ले में स्थित जैन स्थानक में आपके ९ यशस्वी चातुर्मास हुए, साथ ही शेखेकाल में आपका अक्सर 'सोजत' में विराजना होता था, इसके अतिरिक्त अनेक महापुरूषों के जन्म एवं पुनीत चरणों से 'सोजत' भूमि पावन बनी हैं।

सोजत नगर - जनसंख्या

सन् २०११ की जनगणना के आधार पर 'सोजत' की कुल जनसंख्या ४३०२३ हैं, जिसमें २२२६८ पुरुष एवं २०७५५ महिलाएँ शामिल हैं, इसमें सनातनी और जैनों की संख्या लगभग ८६.६१%, मुस्लिमों की संख्या १३.०१% तथा अन्य ०.३८% हैं। सोजत की साक्षरता दर ७५.५८% हैं।

सोजत नगर - प्रशासन

आचार्य श्री रघुनाथ स्मृति जैन चिकित्सालय

'सोजत नगर' में उपखण्ड अधिकारी, मुंसिफ, सिविल जज, पंचायत समिति आदि कार्यालय हैं, शिक्षा के क्षेत्र में यहाँ महाविद्यालय तक की शिक्षा उपलब्ध है, यह एक विधानसभा क्षेत्र है, चिकित्सा के क्षेत्र में यहाँ मरूधर केसरी श्री मिश्रीमलजी म.सा. की प्रेरणा से निर्मित 'आचार्य श्री रघुनाथ स्मृति जैन चिकित्सालय' है, जो नगर के मुख्य प्रवेश द्वार एवं बस स्टेण्ड के समीप स्थित है, यह चिकित्सालय अनेक अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसन्नित हैं।

सोजत नगर - उद्योग धंधेः

'सोजत' कृषि प्रधान क्षेत्र है, 'सोजत' मुख्य रूप से अपनी विश्व-प्रसिद्ध मेंहदी की खेती के लिए जाना जाता है, जहाँ की जलवायु और मिट्टी मेहंदी उत्पादन के लिए एकदम सही है, जिससे यह भारत का एकमात्र ऐसा क्षेत्र है जो गुणवत्तापूर्ण मेहंदी उगाता है और निर्यात करता है, जिसकी पिसाई एवं पैकिंग आदि के लिए अनेक फेक्ट्रियां यहां स्थापित है। मेहन्दी का यह इकलौता सबसे बड़ा उत्पादक शहर है, जहां से सम्पूर्ण भारतवर्ष ही नहीं विश्व के अनेक देशों में निर्यात किया जाता है।

खनिज की दृष्टि से यहाँ पर चूने के विपुल भण्डार होने से चूना, कली आदि के अनेक भट्टे हैं, जिसका उपयोग सफेदी, पुताई एवं रसायनिक पदार्थों के निर्माण में किया जाता हैं।

यहाँ की मुख्य फसलों में सौंफ, मेहन्दी, अजवायन आदि मुख्य हैं, यहाँ का अजवायन भी पूरे देश में प्रसिद्ध है, साथ ही यह कहावत भी प्रसिद्ध है कि 'किसकी मां ने सोजत का अजमा खाया है' अर्थात् किसमें इतना साहस है?

सोजत नगर - दर्शनीय स्थलः

➪ **चामुण्डा माता की भाखरीः** 'सोजत' नगर के पूर्व में चामुण्डा माता की

चामुण्डा माता की भाखरी

भाखरी है, जहाँ चामुण्डा माता का प्राचीनतम मन्दिर हैं। प्रतिवर्ष यहाँ भादवा वदी ५ (नाग पंचमी) को मेला लगता है।

➪ **नृसिंहजी की भाखरीः** इसके समीप ही नृसिंहजी की भाखरी हैं, जहाँ

नृसिंहजी की भाखरी

जलदाय विभाग द्वारा जलभंडारण टंकी बनाई गई है, इन पहाड़ियों से ही 'सोजत' शहर एवं आसपास का दृश्य बड़ा ही मनोहर **शेष पृष्ठ १३ पर...**

ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत के लिए
प्रसिद्ध सोजत के इतिहास प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनाएं

Gautam Gandhi
Mob:- 98666 30101

SARAL FOREX PVT LTD

#8-2-193, Punjagutta Main Road, Pillar No. 1102,
Hyderabad, Telangana, Bharat - 500082

पृष्ठ १२ से... दृष्टिगोचर होता है।

➪ **श्री रामदेवजी का मन्दिर:** जोधपुरियाँ दरवाजे से ६ किमी. दूरी पर स्थित

है, जिसका निर्माण श्रीमती पुष्पादेवी-श्रीमान् शान्तिलालजी सा.लुंकड़ परिवार द्वारा किया गया, जहाँ सोजत जोधपुर मार्ग की ओर विहार करने वाले सभी जैन साधु-साध्वियों के प्रवास की सुन्दर व्यवस्था है, साथ ही बड़ा प्रवचन हॉल व ठहरने की व्यवस्था भी हैं, इसके अतिरिक्त यहाँ के प्राचीन मंदिरों में चतुर्भुज (चारभुजा) मंदिर कोट के मोहल्ले में स्थित है, लक्ष्मीनारायण मन्दिर मुणबावड़ी पर स्थित है, भावकेश्वर महादेव मन्दिर बड़ा बास में स्थित है, श्री बालाजी (हनुमानजी) एवं महादेवजी का मन्दिर बस स्टेण्ड के पास स्थित है, रघुनाथजी का मन्दिर, सिंघवियों के वास में स्थित है, सेजल माता का मन्दिर बस स्टेण्ड के पीछे स्थित हैं, महालक्ष्मीजी का मन्दिर आदि अनेक विख्यात मन्दिर है, बस स्टेण्ड के समीप यहाँ संवत् १९८६ से 'उम्मेद गौशाला' संचालित है। सुराणा के वास के बाहर यहाँ एक मस्जिद हैं, जहाँ नीचे का भाग सनातनियों का है तथा ऊपर मुस्लिम समुदाय की मस्जिद है, आपसी सौहार्द एवं एकता का यह एक श्रेष्ठ नमूना है।

सोजत नगर - जैन स्थानक, मंदिर व अन्य दर्शनीय स्थल:

श्री मरुधर केसरी जैन गुरु सेवा समिति: श्रमण संघीय पूज्य प्रवर्त्तक, श्रमण सूर्य, दिव्य विभूति, मरूधर केसरी पूज्य श्री मिश्रीमलजी म.सा. की विशेष प्रेरणा से उनके जीवनकाल में ही ग्रांड ट्रक रोड (पाली हाई-वे) पर स्थानीय डाक बंगले के समीप एक विशाल भूखण्ड पर श्रमण-श्रमणियों के अध्ययन-अध्यापन हेतू विद्यापीठ निर्माण की भव्य योजना बनी, जो गुरूदेव के देवलोक गमन के पश्चात् 'श्री मरूधर केसरी जैन गुरू सेवा समिति' के नाम से निर्मित हुई एवं

जहाँ विद्यापीठ के साथ गुरूदेव का अस्थि कलश रखा गया है, वहाँ आगन्तुकों के ठहरने एवं भोजन की व्यवस्था हैं, साथ ही पास में शादी समारोह के लिए भी विशाल स्थल उपलब्ध है।

जैन कुशलवाड़ी: राजपोल दरवाजे के बाहर स्थित है, यहाँ पर मूलनायक श्री मनमोहन पार्श्वनाथजी हैं तथा दादा गुरूदेव कुशलगुरू **शेष पृष्ठ १४ पर...**

ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत के साथ
प्रसिद्ध 'सोजत' के इतिहास प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएं

RR

Mohanrajji Rajendrakumarji Jayantilalji Aashishkumarji
Karankumarji Haneesh Ridhansh Akhawat

ROOP RAJAT CREATION

WHOLESALERS IN :
Lining Blouse Piece, Nighties etc.

23/3, Pirgal Complex, 2nd Cross, M. T. Street,
D.K.Lane, Chickpet, Benguluru, Bharat-560 053
Phone: 0804372 3994

गो-सेवक परिवार का लक्ष्य, देश में गो-क्षीर की सरिता बहे।
'गौमाता बनें राष्ट्रमाता'
अभियान के समर्थन को निवेदन

nelson hospital

Dr. V.C. Katariya
M.B.B.S. DCH, D.P.H
Consultant Pediatrician & Neonatologist
(Associate Director)

Clinic: 103, D.B. Katariya Chambers, Gandhibagh, Nagpur,
Maharashtra, Bharat- 440022 / Ph.: 0712-2776622

Plot No. 32, Behind Hitavada Press, Dhantoli,
Nagpur, Maharashtra, Bharat - 440012
Ph:. 0712-2432000, 2433000, 2434000
Emergency No. 7507701177

भारत को 'भारत' ही बोला जाए एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

पृष्ठ १३ से... एवं शान्तिगुरू की प्रतिमा है, यह वि.सं. १९८२ में सेठ श्री रघुनाथमलजी सिंघवी द्वारा बनाई गई, यहाँ सिंघवियों के कुलदेवता की प्रतिमा भी है, यात्रियों के ठहरने के लिए यहाँ पर सुन्दर व्यवस्था है।

जैन दादावाड़ी: तालाब के समीप श्री ओसवाल समाज द्वारा निर्मित दादावाड़ी में मूलनायक भगवान श्री आदिनाथजी की धातु प्रतिमा हैं तथा दादा साहब जिनदत्तसूरिजी के पगलिया है, साथ में हनुमानजी का मन्दिर भी है।

श्री आदिनाथजी का मंदिर: घांचियों के मोहल्ले में स्थित यह लगभग ३५० वर्ष प्राचीन जैन मन्दिर है।

श्री धर्मनाथजी का मंदिर: सावों के वास में स्थित यह लगभग २८० वर्ष प्राचीन जैन मन्दिर है।

श्री शान्तिनाथजी का मंदिर: मुणोतों के वास में स्थिति यहाँ की प्रतिमा लगभग २८० वर्ष प्राचीन है।

श्री गौड़ी पार्श्वनाथजी का मंदिर: मुख्य सदर बाजार में स्थित इस मन्दिर की प्रतिमा सं. १५६४ में बनी हुई हैं, इसका जिर्णोद्धार एवं प्रतिष्ठा सं. २०१६ फाल्गुण शुक्ला ३ को हुई।

श्री विमलनाथजी का मंदिर: मुथों के बास में स्थित यह मन्दिर श्री गौड़ी पार्श्वनाथजी मंदिर के समकालीन है, लगभग १० वर्षो के अन्तराल में दोनों मन्दिर बनें, इसका भी जिर्णोद्धार हो चुका हैं।

श्री ऋषभदेवजी का मन्दिर: मोदियों के बास में स्थित है, वहाँ साथ ही शिव मन्दिर भी निर्मित है।

श्री महावीरस्वामीजी का मन्दिर: ३०० वर्ष प्राचीन प्रतिमा वाला यह मन्दिर पोरवालों द्वारा निर्मित धानमंडी के समीप स्थित है।

श्री टीकुजी का उपाश्रय: यहाँ जैन यतियों के ८४ गच्छ के उपासरे थे, वर्तमान में यहाँ श्री सुमतिसागरजी का उपाश्रय है, जिनके शिष्य टीकुलालजी के नाम से इसका नाम 'टीकुजी का उपाश्रय' हैं। यहाँ भगवान श्री पार्श्वनाथजी की धातु प्रतिमा, श्री मणिभद्रजी मंदिर आदि है, यह श्री शान्ति वर्द्धमान जैन पेढ़ी के अन्तर्गत है, इसका जिर्णोद्धार हो चुका हैं, समीप में जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक आराधना भवन भी हैं, जहाँ साधु-साध्वियों के प्रवास के साथ जैन भाईयों के लिए वर्ष भर भोजन की भी व्यवस्था रहती है।

श्री रायचन्दजी बेदमुथा की छत्री: कपड़ा बाजार में सावों के वास के प्रवेश द्वार पर स्थित हैं, ये जैन समाज के वीर योद्धा थे, जिनका सिर किले में तथा धड़ मौजूदा छत्री स्थान पर गिरा था, इनकी धर्मपत्नी सती हुई थी, वेदमुथा आज भी यहाँ जात लगाते हैं, इसका जीर्णोद्धार श्री माणकराजजी वेदमुथा परिवार द्वारा करवाया गया।

जैन स्थानक: कोट के मोहल्ले का यह विशाल मुख्य स्थानक है, जहाँ साधु-साध्वियों के चातुर्मास एवं शेखेकाल में प्रवास होते हैं, मरूधर केसरीजी के यहाँ ९ चातुर्मास हुए, रघुनाथजी म.सा. का पाट भी यहाँ विद्यमान है।

जैन स्थानक महेश्वरियों के बास में, ज्ञानशाला मुख्य (सदर) बाजार में, स्वाध्याय भवन

स्थानक भवन: मुथों के बास में जैन स्थानक, गाँधियों के बास में जैन स्थानक, खींचों के वास में, जैन स्थानक कांकलियों के बास में जैन स्थानक मरूधर केसरी नगर में।

इसके अतिरिक्त राजपोल गेट के अन्दर मुख्य बाजार में श्रीमती सुन्दरबाई-माँगीलालजी गोटावत परिवार द्वारा संचालित गोटावत भवन, सदर बाजार में 'श्री बीसा ओसवाल न्याति नोहरा', कोट के मोहल्ले में श्री रघुनाथ जैन वाचनालय, बस स्टेण्ड के समीप डॉ. श्री अभिनन्दनमलजी का वाचनालय, श्रीमती गुलाबबाई मेहता के सुपुत्र श्री लालचन्दजी एवं श्री चुन्नीलालजी मेहता द्वारा मुथों के बास में 'श्री गुलाबबाई मेहता प्राथमिक विद्यालय' श्री मोतीचन्द सेठिया संचालित है। चाँदपोल गेट के बाहर, वाटर वर्क्स रोड पर 'श्री जैन गौतम गुरुकुल स्कूल' (बकरासाल) एवम् आदर्श विद्या मन्दिर उच्च माध्यमिक विद्यालय भी संचालित है। श्रीमती कमलाबाई लुंकड़ जैन पाठशाला मुथों के बास में संचालित हैं। धानमण्डी में 'भैरुजी का मन्दिर' हैं।

मुख्य त्यौहार:

⇨ **होली एवं धुलेटी का त्यौहार:** जिसमें होली के दिन रंगों की बौछार तथा धुलैटी के दिन शाम को विभिन्न गैरे नाचती-गाती हर्षोल्लास के साथ ऐतिहासिक किल्ले में प्रवेश करती हैं।

होली एवं धुलेटी का त्यौहार

⇨ **शीतला सप्तमी का मेला:** होली के बाद सात दिन तक मेला लगता है तथा सातवें दिन शीतला माता का पूजन एवं बड़ा मेला भरा जाता है, जिसमें आसपास के गांवों से गैरे नाचती हुई आती हैं।

⇨ **गणगौर का त्यौहार:** हर मोहल्ले से तीज के दिन ढोल-नगाड़ों के साथ गणगौर ईशर की सवारी निकलती है।

⇨ **विजया दशमी:** (दशहरा) घरों में लापसी बनाकर पूजा की जाती है, मेले के चौक में रावण का विशाल पूतला बनाकर जलाया जाता है, जिसे देखने के लिए लोगों का हुजूम उमड़ता है।

शेष पृष्ठ १५ पर...

पृष्ठ १४ से... ⇨ **दीपावली एवम् महावीर निर्वाणोत्सव:** पूरा बाजार

शीतला सप्तमी का मेला

दुल्हन की तरह सजता हैं, बड़े उत्साह के साथ दुकानों में महालक्ष्मी की पूजा की जाती है, लोग एक-दूसरे से मिलने जाते हैं, मिठाई बांटते हैं। जैन धर्मावलम्बी प्रभु महावीर की विशेष आराधना करते हैं, तेला आदि करते हैं।

⇨ **महावीर जन्म कल्याणक:** चेत्र शुक्ला त्रयोदसी को प्रभु महावीर का जन्मोत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है, लोग प्रभु महावीर की झाँकियों के साथ गाते हुए सदर बाजार से शोभायात्रा निकालते हैं।

⇨ **देव झूलती ग्यारस:** तालाब पर मेला लगता है, वैष्णव भगवान की सवारियां सज-धज कर तालाब पर झूलने के लिए आती हैं।

⇨ **नाग पंचमी:** चामुण्डा माता की भाखरी पर जोरदार मेला लगता है, लोग चामुण्डा माता के दर्शन करने बड़ी संख्या में आते हैं।

ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत के लिए
प्रसिद्ध 'सोजत' के इतिहास प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएं

Sunil L. Mundra
Managing Director
Mob : 9845214927

Natural Capsules Limited
Natural Biogenex PVT LTD.

Trident Towers, Fourth Floor No. 23, 100 Feet Road,
Jayanagar II Block, Bangalore, Bharat- 560 011
Ph: +91-80-26671571, 26671573, 26671581
Email: sunil@naturalcapsules.com | www.naturalcapsules.com

भगवान विश्वकर्मा जयंती के पावन पर्व
पर हार्दिक शुभकामनायें

Kamlesh Sharma
Mob. :-+91-98980 68805

Ketan Sharma
Mob. :- +91-93160 00383

ANAMIKA™

ANAMIKA FILTERS

Engineers & Manufacturers of
Air Filters, Silencers &
Fabricators of Allied Equipments

2910/01, G.I.D.C. Phase - IV, Road No. 4K,
G.I.D.C. Vatva, Ahmedabad, Bharat - 382445
E-mail: sales@anamikafilters.com/ anamikaengg@yahoo.com
Website: www.anamikafilters.in

इतिहास और प्रकृति का अद्भुत मिश्रण
सोजत के इतिहास प्रशासन पर
हार्दिक शुभकामनाएं

Jambu Kumar Chetan Kumar Dhariwal

SJD SOURCING SOLUTIONS LLP
IMPORTERS OF NON-FERROUS METAL SCRAP

V-27, 7th Main Road, 2nd Stage,
Peenya Industrial Area, Bengaluru,
Karnataka, Bharat-560058
E-Mail : chetandhariwal@sjdsourcing.com
Mobile: +91 8088288488 | Tel: 8867760010

सोजत की झांकी

(रचयिताः श्री महावीरचन्दजी. एम. गुलेच्छा 'अन्तर्मुखी')
(तर्ज : आओ बच्चों तुम्हें बताएं झांकी हिन्दुस्तान की...)

आओ बन्धुओं तुम्हें बतायें, गाथा 'सोजत' ग्राम की,
जिस धरती पर जन्म लिया है, गुण गाये उस धाम की।
वन्दे सोजत संघ, सोजत नगरम् .... ।।टेर।।

कभी यहाँ ताँबे शिला के, भण्डारों की खानें थी,
रत्नगर्भा नगरी थी यह, 'ताँबावती' कहलाती थी।
सोजाली माता के गुण यहाँ, जन-मन-वचन से गाते थे,
वही सोजाली नगरी से तब, सोजत नगरी कहायी थी।।
वन्दे सोजत संघ, सोजत नगरम् ....।।१।।

बड़े-बड़े महापुरूषों की, यह जन्म-कर्म की भूमि थी,
मातृ-भूमि की रक्षा में जिन्होंने, दी प्राणों की आहूति थी।
उन्हीं की गौरव गाथा से, चमन हुई यह धरती थी,
हुए यहाँ आचार्य प्रखर, श्री भूधर और रघुनाथजी।।
वन्दे सोजत संघ, सोजत नगरम् ....।।२।।

मरूधरा के मस्त केशरी, मरूधर मिश्री महान् थे,
बुध गुरु के चरणों में यहाँ, बनें मुनि अणगार थे।
जन-जन को कर प्रतिबोधित, धर्म की ज्योति जगाई थी,
रघुनाथ चिकित्सालय, पुस्तकालय उनकी निशानी थी।।
वन्दे सोजत संघ, सोजत नगरम् ....।।३।।

सोजत नगर के चारों ओर, परकोटा और दिवारें थी,
जिसमें लगे थे सात द्वार, नगर के सजग प्रहरी थे।
भव्य तालाब शीतल जल से, सदा लबालब रहते थे,
करके जिसमें स्नान लोग, हनुमान के दर्शन करते थे ।।
वन्दे सोजत संघ, सोजत नगरम् .... ४ ।।

तालाब निकट पहाड़ी पर, अभेद्य दुर्ग है बना हुआ,
जिसकी ऊँची दिवारों में, तोपखाना था लगा हुआ।
दुर्गादास और रायचन्दजी ने दी, कुर्बानी निज प्राण की,
शौर्य गाथा कहती है छत्रियाँ, ओसवाल समाज की ।।
वन्दे सोजत संघ, सोजत नगरम् ....।।५।।

हाई-वे पर हाई स्कूल और, पावनधाम सुखकारी है,
एक मील की दूरी पर, बस अड्डा, कोर्ट-कचहरी है।
दादावाड़ी जिनकुशल मंदिर की शोभा न्यारी है,
जहाँ ठहरते आगन्तुक, उद्यान की घंटा निराली है ।।
वन्दे सोजत संघ, सोजत नगरम्....।।६।।

बालाजी मंदिर दर्शन कर, नगर द्वार प्रवेश करे,
यही मेन रोड सोजत का, भांति-भांति के हाट लगे।
गौड़ी पार्श्वनाथजी मंदिर, नयन मनोरम हारी है,
धानमण्डी में भैरू मंदिरजी का भी परचा भारी है ।।
वन्दे सोजत संघ, सोजत नगरम्....।।७।।

धन-धान्य भण्डार भरे, अनाज के व्यापारी हैं,
टीकूजी का उपाश्रय, आराधना भवन सुखकारी है।
नगर परिषद के संग में, महावीर मंदिर चमत्कारी है,
कोट मोहल्ला जैन थानक में, धर्म की खिलती फूलवारी है ।।
वन्दे सोजत संघ, सोजत नगरम् ....।।८।।

आदेश्वर बाबा की प्राचीन, मूरत मंगलकारी है,
जिसके आगे मेला चौक में, मेला लगता भारी है।
शीतला माता के मंदिर में, पूजा करे नर-नारी है,
चंग बजाते-गुलाल उड़ाते, टोलों की गेर निराली है ।।
वन्दे सोजत संघ, सोजत नगरम् ....।।९।।

जहाँ फाल्गुण मास की होली, रग-रग में रंग भरती है,
कार्तिक की दीवाली में, मन की फूलचड़िया छूटती है।
प्रेम रस में घोलते उत्सव, की यादें मन में बसती है,
सादा जीवन, ऊँची भाषा, आगत-भगत अनूठी है ।।
वन्दे सोजत संघ, सोजत नगरम् ....।।१०।।

ऊँची चोटी पर चामुण्डी, माँ मन्दिर अति प्रभावी है,
जहाँ मेहन्दी अजमा चूना की, सारे जग में ख्याति है।
नुकती, चक्की, ठोर, जलेबी, सीरे की शान निराली है,
राम-खीचडी डलीबन्द जीमण की शोभा बढ़ाती है ।।
वन्दे सोजत संघ, सोजत नगरम्....।।११।।

विमल-धर्म-श्री शान्ति जिनेश्वर, जैनों के जिनालय है,
माणकेश्वरजी, अचलेश्वरजी, महादेव शिवालय है।
चारभुजा और लक्ष्मीनारायणजी, वैष्णवों के श्रद्धालय है,
हर धर्म और हर मजहब में, भ्रातृत्त्व भावना नामी है ।।
वन्दे सोजत संघ, सोजत नगरम् ....।।१२।।

हम सोजत के लाल आज, बिखर गये हर कोने में,
मारवाड़, गुजरात, मराठा, कर्णाटक, अनार्य प्रदेशों में।
अमर गाथाएँ, बनी कथाएँ, उस स्वर्णकाल को याद करें,
'महावीर' हम भूल न पायें, मातृभूमि को नमन करें ।।
वन्दे सोजत संघ, सोजत नगरम् ....।।१३।।

गौमाता परिवार आपके व्यवहार से प्रेरित है
'गौमाता बनें राष्ट्रमाता' अभियान के समर्थन को निवेदन

BANSIDHAR SARDA
Mob: 9380025000

J.T CORPORATION

64, Godown Street, Ground floor,
Chennai, Tamil Nadu, Bharat- 600001

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!
INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
INDIA GATE का नाम
Remove INDIA Name From The Constitution
'भारतद्वार' लिखवायें
भारत को 'भारत' ही बोला जाए

श्री उम्मेद गौशाला, सोजत

सोजत नगर के पशु, जो लावारिस सड़कों व गलियों में फिरते रहते थे, उनकी दुर्दशा पर अनेक लोगों का ध्यान गया, इसलिए उस समय के हाकिम साहब श्री रसीदखांजी से इस बारे में निवेदन किया गया। हाकिम साहब ने जुडीशियल सुपरिन्टेन्डेन्ट श्री सुखसिंहजी व पुलिस अध्यक्ष बगतावरसिंहजी से सलाह कर नगर के संभ्रान्त लोगों की एक सभा का आयोजन कर, गौशाला खोलने की बात रखी, जिसे उपस्थित सभी नागरिकों ने स्वीकृति प्रदान की, इस विचार-विमर्श के पश्चात् गौशाला के नामकरण पर विचार-विमर्श हुआ और निश्चित हुआ कि गौशाला का नाम जोधपुर नरेश महाराजाधिराज के नाम से 'उम्मेद गौशाला' रखा जाए, इस तरह शुभ मुहूर्त संवत् १९८६ विजयादशमी (आश्विन शुक्ला १०) को श्री उम्मेद गौशाला की स्थापना हो गई, तभी से यह अत्यंत सुचारू रूप से कार्यरत है।

गौशाला का सर्वप्रथम संचालन मीठालालजी वकील, पंडित श्री मथुरादासजी वैद्य, श्री हरकमलजी कटारिया व श्री मांगीलालजी गोटावत आदि के द्वारा किया गया, दानवीर सेठ स्वर्गीय श्री केवलचन्दजी चौपड़ा ने संभाला, श्री चौपड़ाजी ने भी इस गौशाला को स्थाई रूप देने में भारी परिश्रम कर, बाड़े के रूप में चल रही 'गौशाला' के चारों ओर चार दिवारी, घास, गोदाम व पशुओं के बरामदे आदि का निर्माण मुम्बई स्थित फर्म श्री शंभूमल गंगाराम, जहाँ पर स्वयं श्री चौपड़ाजी पार्टनर थे, के द्वारा भारी रकम लगाकर करवाया, जो आज भी उनकी गाथा गा रही है।

सन् १९६० में परम श्रद्धालु गोभक्त बंशीलाल मून्दड़ा को अध्यक्ष, चेनराज बलाई को कोषाध्यक्ष व श्री केवलचन्द पगारिया को मंत्री पद पर नियुक्त किया गया, इस प्रकार कुल १५ व्यक्तियों की संचालत समिति का गठन किया गया और इस गौशाला को राजस्थान गौशाला अधिनियम १९८० के तहत पंजीकृत (रजिस्टर्ड) करवा दिया गया।

अध्यक्ष पद पर रहते बंशीलालजी मूंदड़ा ने इस गौशाला की आर्थिक उन्नति में स्वयं एवं परिजनों की ओर से योगदान दिया व अन्य दानदाताओं को प्रेरित भी किया गया, यह उस स्वर्गीय गौभक्त आत्मा का अनुकरणीय सहयोग था, जो हमेशा-हमेशा के लिये चिरस्मरणीय रहेगा।

श्री बंशीलालजी के स्वर्गवास के पश्चात् इस गौशाला के अध्यक्ष पद पर उनके

सुपुत्र ओमप्रकाश मूंदड़ा ने कार्यभार संभाला, परन्तु यह अत्यन्त दुःख का विषय था कि ओमप्रकाश अल्प समय में ही स्वर्गवासी हो गये, तत्पश्चात जवरीलाल मेहता अध्यक्ष चुने गये, श्री जवरीलालजी के त्यागपत्र के पश्चात् वर्तमान में बंशीलालजी के धर्मप्रिय परिवार के महान गौभक्त श्री लक्ष्मीनारायणजी मूंदड़ा को संस्था ने सर्वसम्मति से अध्यक्ष का भार सौंपा। श्री लक्ष्मीनारायणजी मुंदड़ा जब से अध्यक्ष चुने गये, अपनी पूरी लगन एवं व्यवसायिक कार्यों की व्यस्तताओं के बावजूद इस गौशाला को स्वावलंबी बनाए हुए हैं। आप बेंगलोर में रहते हुए भी प्रतिक्षण अपने अमूल्य समय की परवाह नहीं करते हुए गौशाला स्वावलंबी बनाने में प्राण-प्रण से जुड़े रहते है।

सोजत की प्रसिद्ध झलकियां

श्री विमलनाथजी मंदिर

श्री गौड़ी पार्श्वनाथजी मंदिर

श्री मनमोहन पार्श्वनाथ जैन मंदिर दादावाड़ी

हनुमानजी मंदिर

जैकल माता का मंदिर

राधा कृष्ण मंदिर

गुरु फूलनारायण आश्रम

राज श्री उच्च प्राथमिक

कृषि उपज मंण्डी

कार्यालय नगर पालिका

श्री दाँतिया बालाजी सन्यास आश्रम
सोजत रोड

पुलिस थाना

सोजत सेवा मण्डल

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!

INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
INDIA GATE का नाम

Remove INDIA Name From The Constitution
'भारतवर्ष' लिखवायें

मैसूरु अग्रवाल समाज मकर द्वारा संक्रांति का आयोजन

मैसूरुः अग्रवाल समाज मैसूरु की ओर से हैब्बाल स्थित अर्बन हाट परिसर में मकर संक्रांति पर्व मनाया गया। सर्वप्रथम अग्रसेन भगवान की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। समाज के अध्यक्ष डॉ. श्रीकृष्ण मित्तल ने स्वागत भाषण दिया। पुरातन पतंगबाजी, केरम बोर्ड, शतरंज, चौपड़, गुल्ली डंडा, रिंग फैकंना आदि १८पारंपरिक खेलो में बच्चों, युवाओं, महिलाओं और वरिष्ठजनों ने विभिन्न प्रकार के खेलों का आनंद लिया, साथ ही राष्ट्रीय स्तर के निशानेबाज माधव मित्तल ने बच्चों और युवाओं को राइफल से लक्ष्य पर निशाने लगवाए।

दोपहर में भोजन में राजस्थानी दाल-बाटी-चूरमा तथा पंजाबी भोजन का स्वाद लिया गया, कार्यक्रम में अंत में रस्साकस्सी और संगीत के साथ कुर्सी बचाओ खेल खेले गए। खेल प्रतियोगिताओं में विजेताओं को उत्साह वर्धन हेतु स्वर्ण और रजत पदक देकर सम्मानित किया गया। समारोह में विभिन्न समाजों की सराहनीय उपस्थिति रही। समाज अध्यक्ष डा. मित्तल ने कार्यक्रम संयोजक हेमंत बंसल सहसंयोजक व सचिव पंकज आर्य, महिला मंडल संयोजिका दीपा जालुका, उपाध्यक्ष पवन केड़ीया, कोषाध्यक्ष अमिताभ सोंथलिया, कार्यकारिणी सदस्य अंजू गोयल, अरुण बगड़ीया, सुनील मोदी के सहयोग की सराहना की।

मेरा राजस्थान
राजस्थानियों के विचारों के साथ समस्त समाज को एकजुट करने वाली एकमात्र पत्रिका

राष्ट्रमाता बनें
निवेदकः मैं भारत हूं फाउंडेशन

अग्रबंधू सेवा समिति मुम्बई के १८वें वार्षिक महोत्सव में माताजी की भव्य चौकी का आयोजन

मुम्बईः अग्रबंधू सेवा समिति मुम्बई द्वारा १८वें वार्षिक महोत्सव के उपलक्ष्य में माताजी की भव्य चौकी एवं छप्पन भोग का आयोजन सकल नारायण सभाग्रह, के पास, दत्तमन्दिर रोड, मालाड (वेस्ट), में रविवार, २५ जनवरी को सभी अग्रवाल सदस्य परिवारों को संगठित करने एवं भक्तजनों के लिए संस्थाध्यक्ष अमरीशचन्द अग्रवाल की प्रेरणा, समारोह अध्यक्ष महेश बंसीधर अग्रवाल के सानिध्य, ट्रस्टी एवं महोत्सव संयोजक लक्ष्मीनारायण अग्रवाल (मन्नू सेठ) एवं बृजमोहन सी गुप्ता (चंदू सेठ), संयुक्त मंत्री अनिल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष गोपालदास गोयल के निर्देशन एवं ट्रस्टी कानबिहारी अग्रवाल के संचालन, स्वागताध्यक्ष ट्रस्टी जगदीश गुप्ता, राम बाबूलाल जाजोदिया एवं ट्रस्टी दिनेश कनोडिया, महिला अध्यक्षा श्रीमती सुधा लक्ष्मीनारायण अग्रवाल की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। आयोजन का शुभारम्भ संस्था के मानद् मंत्री उदेश अग्रवाल ने सप्तनीक ज्योति प्रज्ज्वलन करके किया गया।

महोत्सव के विशेष सहयोगी किशोर प्रवेशकुमार अग्रवाल (चेयरमैन-सहकार ग्लोबल लि), श्रीधर गुप्ता (उद्योगपति), सुधीर अग्रवाल (ट्रस्टी-जनसेवा चैरिटेबल ट्रस्ट) का विशेष सहयोग एवं अन्य अतिथियों में मनमोहन गोयनका (अध्यक्ष, परमार्थ सेवा समिति, मुम्बई) सपत्नीक, दिनेश अग्रवाल (अध्यक्ष, अग्रोहा विकास ट्रस्ट, मुम्बई), प्रदीप एस जैन (अध्यक्ष, आगरा नागरिक संघ, विनोद शेलार (सचिव भाजपा, मुम्बई), सिद्धार्थ शर्मा एवं संजय कांबले (दोनों नवनिर्वाचित नगर सेवक भाजपा), सुभाष अग्रवाल (थाना), आफाक खान (ज्योतिषाचार्य/ वास्तु विशेषज्ञ), दिनेश बी. अग्रवाल (सिल्की), डॉ. आलोक अग्रवाल, घनश्याम अग्रवाल (बृजडेरी), अशोक एच. अग्रवाल, देवकीनन्दन जिन्दल (अध्यक्ष, नवचेतना चेरिटेबल ट्रस्ट), पुरुषोतम खेतान (समाजसेवी), उद्योगपति अजय फूलचंद गर्ग एवं संजय अग्रवल, समाजसेवी नरेन्द्र डालचंद अग्रवाल, श्रीमती कुसुम बी. अग्रवाल, नरेन्द्र कुमार गोयल, ओमप्रकाश गोयनका, मदन सरावगी (जय श्री श्याम परिवार), प्रदीप बालकिशन अग्रवाल (अग्रवाल संस्था, बसई), रमेश आर. जैन, संजय गुप्ता, नरेन्द्र अग्रवाल (मावा वाले), महेश मित्तल, अमरीश जैन, प्रदीप एस-अग्रवाल, नरेशचन्द अग्रवाल (कुर्ला), पंकज गुप्ता, एड. अशोक सरावगी एवं गोपाल वारोलिया (खाटूश्याम मंडल, मुम्बई), वी.के. अग्रवाल (अध्यक्ष, अग्रवाल युवा मंच, मुम्बई) एवं सुरेश वेदप्रकाश जैन आदि ने उपस्थित होकर कार्यक्रम को गरिमामय बनाया।

इस अवसर पर मां का फूलों द्वारा आलौकिक श्रृंगार, विभिन्न झांकियां, अखण्ड ज्योति व विशाल छप्पन भोग के दर्शनों का लाभ उपस्थित सहयोगी, आमंत्रित महानुभावों, महिलाओं एवं भक्तों ने लिया। भगवती मां के अमृतमय भजनों, भेटों की मनोहारी प्रस्तुति प्रख्यात जयपुर से पधारे श्री महेन्द्र जी स्वामी व खुशी व पलक सिरोही वाल (मुंबई से) एवं नाथद्वारा से पधारी रितु श्रीमाली द्वारा की गई। दरबार के सजावट की सभी व्यवस्था हरिओम गौरीशंकर अग्रवाल ने करवाई। इस अवसर पर महिलाध्यक्षा सुधा अग्रवाल एवं मंत्री मधु राजेन्द्र अग्रवाल, कोषाध्यक्षा अनिता अनिल अग्रवाल एवं महिला पदाधिकारी तथा सदस्याओ द्वारा स्वागत/सम्मान की व्यवस्था में भरपूर सहयोग दिया उक्त भव्य दिव्य महोत्सव को सफल बनाने में महिला समिति की उपाध्यक्षा ज्योति अग्रवाल, स्नेहलता गुप्ता, प्रेमलता अग्रवाल, संयुक्त मंत्री सविता अग्रवाल व पूरी टीम से प्रीति अग्रवाल, सीमा गुप्ता, जया गोयल, सीमा अग्रवाल, पिंकी अग्रवाल एवं संस्था के अन्य पदाधिकारियों, सदस्यों व सदस्याओं का विशेष योगदान रहा।

अंत में ट्रस्टी व महोत्सव संयोजक लक्ष्मीनारायण अग्रवाल (मन्नू सेठ) एवं बृजमोहन गुप्ता (चंदू सेठ) एवं अन्य ट्रस्टियों, पदाधिकारियों, कार्यसमिति सदस्यों एवं महिला समिति के परिजनों के साथ आरती सम्पन्न हुई तथा हजारों भक्तों को किशोर प्रवेश कुमार अग्रवाल की ओर से महाप्रसाद का लाभ भी मिला।

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!
INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
INDIA GATE का नाम
Remove INDIA Name From The Constitution
'भारतद्वार' लिखवायें

गौमाता ही राष्ट्रमाता क्यों ?

भारत एक ऐसा राष्ट्र है जहाँ संस्कृति, परम्परा और प्रकृति के बीच गहरा सम्बन्ध रहा है, इसी परम्परा में गौमाता का स्थान सर्वोच्च है, गौमाता को केवल एक पशु, नहीं बल्कि राष्ट्र की जननी कहा जाता है, इसका कारण केवल धार्मिक आस्था नहीं, बल्कि उसका सामाजिक, सांस्कृतिक और जीवन में अत्यन्त योगदान है, प्राचीन काल से ही गौमाता भारतीय जीवन का अभिन्न अंग रही है, उनके दूध से मानव को पोषण मिलता, घी से संस्कार सम्पन्न होते, और उनके गोबर व गौमूत्र से खेती, पर्यावरण और स्वास्थ्य को लाभ प्राप्त हुआ।

इस प्रकार 'गौमाता' ने राष्ट्र को शारीरिक, मानसिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाया, यही कारण है कि उसे जननी की तरह देखा जाता है।

गौमाता हमारी संस्कृति की जीवंत प्रतीक है, त्याग, करुणा और मातृत्व की मूर्ति हैं, जैसे माँ बिना स्वार्थ अपनी संतान का पालन करती है, वैसे ही गौमाता मानव को बिना किसी अपेक्षा के देती है। भारतीय सभ्यता में 'माता' शब्द केवल जन्म देने के लिए नहीं, बल्कि जीवन को पोषित करने वाली शक्ति के लिए प्रयोग होता है, इसी दृष्टि से गौमाता राष्ट्रमाता कही जाती है।

आज जब आधुनिकता की दौड़ में हम अपनी जड़ों से दूर होते जा रहे हैं, तब गौमाता का संरक्षण और सम्मान और भी आवश्यक हो जाता है, गौसंरक्षण केवल धार्मिक कर्तव्य नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दायित्व भी है, गौमाता का सम्मान करने का अर्थ प्रकृति, संस्कृति और मानव जीवन की रक्षा करना है।

कहा जा सकता है कि गौमाता केवल धार्मिक नहीं, बल्कि राष्ट्र की जननी हैं, उनके आशीर्वाद से ही समाज सुख, शांति और समृद्धि की ओर बढ़ता है, गौमाता का संरक्षण ही राष्ट्र का संरक्षण है।

गौमाता बनें राष्ट्रमाता आंदोलन इस अभियान को बढ़ावा देता है, यह हर भारतीय के लिए एक पवित्र भाव को सम्मानित करता है और उनकी रक्षा सुरक्षा का आह्वान है। गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित करके, हम न केवल अपनी सांस्कृतिक धरोहर की रक्षा करेंगे, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सशक्त और समृद्ध राष्ट्र का निर्माण करेंगे, यह आंदोलन सभी लोगों को एकजुट होकर इस उद्देश्य के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित करता है,

अतः गौमाता को राष्ट्रमाता का सम्मान मिलना उचित होगा। मैं मूलतः राजस्थान के चुरू जिला रतनगढ़ से हूँ तथा राजलदेशर चुरू जिला में १० गायें रखे हुए हूँ, निकट भविष्य में १००-१५० गाय रखने का विचार हैं, मेरी मातृभुमि राजस्थान है और कर्मभुमि राजस्थान एवं हरियाणा दोनों है।

-बिनोद कुमार भुवालका फरीदाबाद
भ्रमणध्वनि: ९८११०२३१३४

गाय पालना सदन में, ध्वजा टॉकना हाथ। माता का आशीष भी, मिलता हाथों-हाथ।।
गौ माता बनें राष्ट्रमाता अभियान के समर्थन का निवेदन

Alok Kedia

Mob: 09811054206

Unipack Packaging Pvt. Ltd.

Plot No. 9, Mahila Udaymi Park-II,
Toy City Road, Dist. Gautam Budh Nagar,
Greater Noida, Uttar Pradesh, Bharat - 201304

भारत को 'भारत' ही बोला जाए एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

मुंबई में एमआईबीएफ का 'कॉन्क्लेव ऑन फ्यूचर ऑफ इन्वेस्टिंग' सफलतापूर्वक संपन्न

मुंबई में माहेश्वरी इंटरनेशनल बिजनेस फाउंडेशन द्वारा आयोजित ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी 'कॉन्क्लेव ऑन फ्यूचर ऑफ इन्वेस्टिंग' का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। निवेश, अर्थव्यवस्था और सामुदायिक विकास पर केंद्रित कॉन्क्लेव में देश के प्रतिष्ठित उद्योगपतियों, बैंकिंग व वित्तीय क्षेत्र के विशेषज्ञों, अर्थशास्त्रियों तथा कॉरपोरेट लीडर्स की उल्लेखनीय भागीदारी रही।

कार्यक्रम की शुरुआत एमआईबीएफ के संस्थापक महामंत्री संतोष कुमार लाहोटी के स्वागत संबोधन से हुई, इसके पश्चात एमआईबीएफ के संस्थापक प्रशांत माहेश्वरी ने नव-चयनित एमआईबीएफ के अध्यक्ष व नंदन ग्रोथ फंड के मैनेजिंग पार्टनर दीपक माहेश्वरी का सामुदायिक औद्योगिक जगत से परिचय कराया, इस अवसर पर 'मैं भारत हूं फाउंडेशन' की राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती शोभा सादानी ने सामुदायिक सशक्तिकरण और सामाजिक सहभागिता पर अपने विचार साझा किए।

कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण सुश्री अनन्या बिड़ला द्वारा एमएमयू ब्रांड का शुभारंभ एवं कार्यक्रम स्मारिका का औपचारिक विमोचन रहा, इसके बाद कार्यक्रम के प्रधान वक्ता और भारतीय रिज़र्व बैंक के पूर्व डिप्टी गवर्नर श्री एस.एस.मूंदड़ा ने भारत के मैक्रोइकॉनॉमिक परिदृश्य, वित्तीय प्रणाली की स्थिरता, क्रेडिट इकोसिस्टम, नियामकीय दृष्टिकोण तथा दीर्घकालिक पूंजी आवंटन पर विस्तार से प्रकाश डाला।

कॉन्क्लेव में आयोजित पैनल चर्चाओं ने निवेश के विविध पहलुओं को प्रभावी ढंग से सामने रखा। पहले पैनल में वैश्विक एवं घरेलू पूंजी प्रवाह और भारत के आगामी निवेश चक्र पर चर्चा हुई, जिसमें आरएआरयू फैमिली ऑफिस के संस्थापक राकेश लाहोटी, यूको बैंक के कार्यकारी निदेशक राजेंद्र साबू, आरबीआई मौद्रिक नीति समिति के सदस्य एवं अर्थशास्त्री सौगत भट्टाचार्य तथा स्पार्क कैपिटल के उप प्रबंध निदेशक देवांग मेहता ने अपने विचार रखे।

दूसरी पैनल चर्चा पब्लिक मार्केट्स रीसेट: इक्विटी, डेट और पोर्टफोलियो निर्माण' विषय पर हुई, जिसका संचालन सौरभ अजमेरा ने किया, इस सत्र में मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट चंदन तापड़िया, मिराए एसेट के सीईओ पुनीत कुमार मुंधड़ा तथा स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के कार्यकारी निदेशक नीरज तापड़िया ने निवेश रणनीतियों पर सार्थक चर्चा की।

प्रायोजक सत्र के अंतर्गत दीपक मुंधड़ा द्वारा डिजिटल डायरेक्टरी की प्रस्तुति दी गई, इसके पश्चात आनंद राठी समूह के संस्थापक एवं समूह अध्यक्ष आनंद राठी ने वैश्विक अर्थव्यवस्था, भारतीय **शेष पृष्ठ २३ पर...**

With Best Compliments from :

SACCHIDANAND L MALANI

Engineers & Contractors

MURTIZAPUR, District: Akola-Maharashtra, Bharat - 444107

Mobile: 9422162213 / 8600047213

E-mail ID: office.slmalani@gmail.com

Specialist in Asphalting of Roads, Bridges & Earthen Dams

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!

INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए

INDIA GATE का नाम

Remove INDIA Name From The Constitution

'भारतवर्ष' लिखवायें

पृष्ठ २२ से... अर्थव्यवस्था और भारतीय इक्विटी बाजार पर अपने अनुभव साझा किए, इसके अतिरिक्त आरआर केबल के प्रमोटर गोपाल काबरा, एलन करियर इंस्टीट्यूट के प्रमोटर बृजेश माहेश्वरी, आदित्य बिड़ला समूह के के.के. माहेश्वरी, आईटीसी लिमिटेड के ईवीपी राजेंद्र सिंघी तथा एमवीपीएम के अतुल लाहोटी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

तीसरी पैनल चर्चा में प्राइवेट मार्केट्स पर यथार्थपरक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया गया, इस सत्र में रिटर्न के स्रोत, जोखिम प्रबंधन और दीर्घकालिक पोर्टफोलियो में प्राइवेट एसेट्स की भूमिका पर इंटेलेकैप के मैनेजिंग डायरेक्टर प्रमोद कासट, टू नॉर्थ फंड के सलाहकार प्रमोद काबरा, मेगा डेल्टा कैपिटल के संस्थापक पार्टनर रुचिर लाहोटी, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी के हेड प्राइवेट कैपिटल शेखर डागा तथा क्रेडेंस कैपिटल के मैनेजिंग पार्टनर विजय दरक ने अपने विचार रखे।

कार्यक्रम के समापन पर वरिष्ठ योगदानकर्ताओं एवं समाज के विशिष्ट लीडर्स, आरआर केबल के रामेश्वर लाल काबरा एवं श्रीमती रतनी बाई, वरिष्ठ आईआरएस चंदन पुगलिया, पूर्व सांसद प्रदीप गांधी, आदित्य बिड़ला समूह के के.के. माहेश्वरी, वरिष्ठ पत्रकार विश्वंभर नेवर तथा प्रबुद्ध वक्ता भाविका माहेश्वरी का सम्मान किया गया।

इस अवसर पर स्मारिका की संपादक व जिंदगी लाइव एंजेल फंड की मैनेजिंग पार्टनर श्रीमती सुनीता माहेश्वरी सहित गुरुग्राम, मुंबई और कोलकाता की टीमों के सदस्यों का उल्लेखनीय योगदान रहा, आयोजन को सफल बनाने में महेश जाखेटिया, अजय गट्टानी, रानू पारवाल, मनीष लाहोटी, ऋषिकेश झंवर, गोविंद जखोटिया, श्रीमती रिद्धि जखोटिया, सुश्री अनिता तोशनीवाल, अनिरुद्ध राठी सहित अनेक सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जय महेश! जय भारत!

संघ शताब्दी वर्ष उत्सव में डॉ. श्रीकृष्ण मित्तल को राष्ट्रीय हिंदू रत्न से सम्मानित

मैसूर/दिल्ली: डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी राष्ट्रीय विचार मंच ने प्रसिद्ध भारत मंडप मनई दिल्ली में आरएसएस शताब्दी वर्ष समारोह में डॉ. श्रीकृष्ण मित्तल के गत तीन दशकों से उत्कृष्ट समाज कार्य, लेखन, गौवंश संवर्धन आदि कार्यों की सराहना करते हुए राष्ट्रीय हिंदू रत्न से अलंकृत करने की घोषणा की गई।

डॉ मित्तल के दिल्ली प्रवास में सम्मान हेतु मंच कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में अध्यक्ष सुशील सरावगी, महामंत्री राहुल गोयल ने उन्हें राष्ट्रीय हिंदू रत्न से अलंकृत किया, इस अवसर पर डॉ. मित्तल ने असहनीय देश व्यापी धर्म परिवर्तन और गौवंश तस्करी पर विचार रखते हुए सभी हिन्दुओं को एक होने का आवाहन किया, अगर आज एक नहीं होगे तो आगामी दो दशकों में हम अल्पमत में आ जाएगे और पाकिस्तान, बांग्लादेश जैसे हालात भुगतेंगे।

ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत के लिए
प्रसिद्ध 'सोजत' के इतिहास प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनाएं

C. Dhirandar (MD)
Mob: 88705 21041

Cholaram Jaat
+91 94433 57617

Shanthi Jewellery
Sree Hema Silks
Exclusive for:
Sarees | Dress Materials Men's Wear | Kids Wear

471, Trichy Road, Opp.to Ambal Theatre,
Singanallur, Coimbatore, Tamil Nadu, Bharat - 641 005
Shop: Ph: 0422 2576170 | Mob: 94877 21041

गो-सेवक परिवार आपका स्वागत करता है।
गौ माता बनें राष्ट्रमाता अभियान के समर्थन का निवेदन

Manoj Mahnot Jain
Mob: 9342016454/ 7204005903

Tushar Mahnot Jain
Mob: 9740935026

Robot Mining
Equipments (P) Ltd.

Dealers & Importers Of : Mining & Drilling Tools,
Carbide Tips, Carbide Scrap, Drill Rods & Expansive Mortar

T.R. Mill (P) Ltd. Compound, 5 th Main Road,
Chamrajpet, Bangalore, Karnataka, Bharat - 560018
e-mail : chamrajpet007@gmail.com

अग्र बंधुओं द्वारा सुन्दरकांड पाठ का आयोजन

मुंबई: अग्रबंधु सेवा समिति, मुंबई की महिला समिति द्वारा वर्ष २०२६ के आगमन के उपलक्ष्य में अग्रवाल समाज को संगठित करने हेतु ८ जनवरी को इच्छापूर्ति हनुमान मंदिर, मालाड में सुन्दरकांड पाठ का आयोजन संस्थाध्यक्ष अमरीशचंद अग्रवाल तथा ट्रस्टी लक्ष्मीनारायण अग्रवाल (मन्नू सेठ) की प्रेरणा, मानद मंत्री उदेश अग्रवाल व कोषाध्यक्ष गोपालदास गोयल के मार्गदर्शन, महिला अध्यक्षा सुधा एल.अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित भजन गायक श्री आदर्श व्यास के सुन्दर भजनों की प्रस्तुति और सुन्दरकांड के सुमधुर पाठ ने इस कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए।

इस मौके पर महिलाओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया और इस धार्मिक आयोजन का आनंद उठाया। उपरोक्त जानकारी देते हुए ट्रस्टी कानबिहारी अग्रवाल ने बतलाया कि पुरुष समिति के उपाध्यक्ष नरेशगुप्ता, बृजमोहन अग्रवाल, संयुक्त मंत्री बृजकिशोर अग्रवाल एवं सम्मानित सदस्यों में राजेंद्र अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल (गोकुलधाम) आदि ने शामिल होकर महिलाओं का उत्साहवर्धन किया। उपाध्यक्षा ज्योति अग्रवाल और प्रेमलता अग्रवाल की व्यवस्था में आयोजित इस कार्यक्रम में संयुक्त मंत्री सविता अग्रवाल अन्य सदस्याओं में नीता जैन, नेहा जैन, सीमा अग्रवाल, सीमा गुप्ता, पिंकी अग्रवाल और जयश्री अग्रवाल सभी ने इस कार्यक्रम को पूर्णरुपेण सफल बनाने में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

सुन्दरकांड पाठ के बाद महाप्रसाद भी सभी ने ग्रहण किया तथा प्रस्थान करते हुए प्रसाद बॉक्स भी सभी भक्तों को वितरित किया गया मंत्री मधु अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अनिता अग्रवाल ने संयुक्त रूप से सभी का आभार व्यक्त किया।

गाय पालना सदन में, ध्वजा टॉकना हाथ।
माता का आशीष भी, मिलता हाथों-हाथ।।
गौ माता बनें राष्ट्रमाता अभियान के समर्थन का निवेदन

निलेश डांगरा
98223 70069

अश्विन डांगरा
95112 70369

महाकाली सिल्वर एण्ड गोल्ड प्रा.लि.
चांदी के पूजा बर्तन, पायल, सोने की ठूशी मणी के विक्रेता

नगर सेठ टॉवर, 1 फ्लोर, शॉप नं. 5, भाऊसिंगजी रोड़,
महालक्ष्मी मन्दिर के पास, कोल्हापुर, महाराष्ट्र, भारत- 416012
मो. 9325219762, फोनः 0231-2540069

ए.पी. महेश कोऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड के निदेशकों के चुनाव सम्पन्न

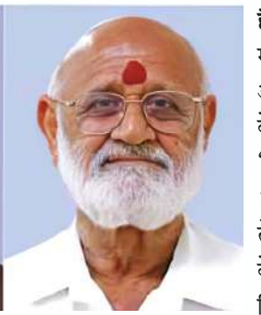

हैदराबादः ए.पी. महेश कोऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड के १५ निदेशकों के 'चुनाव ७ दिसंबर, २०२५ को तेलंगाना सरकार के हैदराबाद स्थित जिला कलेक्टर की देखरेख में संपन्न हुए और अंतिम परिणाम घोषित कर दिए गए हैं, जिसमें सीए मुरली मनोहर पलोड (अध्यक्ष), श्री गोविंद नारायण राठी (उपाध्यक्ष), सीए अलका झंवर, अमित लढ्ढा, भांगड़िया कैलाश नारायण, दीपक कुमार बंग, देवेन्द्र झंवर, कैलाश मंत्री, श्रीमती कविता तोषनीवाल, मनोज लोया, मुकुंदलाल बाहेती, पवन कुमार लोहिया, रूपेश सोनी, विनोद कुमार बंग को बैंक के बोर्ड के नए निदेशक के रूप में चुना गया है। बैंक के अध्यक्ष के रूप में उन पर भरोसा जताने और उन्हें चुनने के लिए आभार व्यक्त करते हुए सीए मुरली मनोहर पलोड ने कहा कि बैंक वित्तीय प्रदर्शन को मजबूत करने, ग्राहक सेवा में सुधार करने और नियामक अनुपालन सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेगा, उन्होंने आगे कहा कि नव निर्वाचित बोर्ड न केवल ग्राहकों को व्यक्तिगत सेवाएं प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करेगा, बल्कि लेनदेन प्रक्रिया के डिजिटलीकरण की बढ़ती गति को भी समायोजित करेगा। श्री गोविंद नारायण राठी, उपाध्यक्ष ने बैंक के उपाध्यक्ष के रूप में सर्वसम्मति से चुने जाने पर खुशी व्यक्त की।

श्री दाधीच परिषद द्वारा आयोजित गंगासागर मेला शिविर का आयोजन

कोलकाता: श्री दाधीच परिषद के गंगासागर मेला सेवा शिविर में अनेकों गणमान्य लोगों ने पहुंचकर सेवा कार्य का अवलोकन किया और कार्यकर्ताओं की सेवा निष्ठा भावना की जमकर सराहना की। मंत्री राजेंद्र व्यास ने 'मेरा राजस्थान' पत्रिका को बताया कि सागर मेला क्षेत्र में व्यवस्था का जायज़ा लेने पहुँचे राज्य के मंत्री सुजीत बोस का परिषद की ओर से पंकज ईनानियां ने स्वागत किया दक्षिण 24 परगना के डीएम और गंगासागर के प्रभारी, आईएएस प्रकाश मीना भी अपनी पूरी टीम के साथ परिषद के सेवा शिविर में आए और परिषद के सेवा कार्यों को सराहा। नामखाना सेवा शिविर में पार्षद विजय ओझा ने भी एक कार्यकर्ता के रुप में अपनी सेवाएं दी। सीताराम शर्मा गुरुजी सहित कई गणमान्य लोग भी पहुँचे, तक़रीबन 65000 से ज्यादा तीर्थयात्रियों को भोजन की व्यवस्था का लाभ दिया गया। 550 से ज्यादा लोग शिविर में ठहरे तो 1200 के करीब लोगों को मुफ्त दवाएं और प्राथमिक चिकित्सा दी गई। परिषद का सेवा कार्य मेला क्षेत्र में इतना चर्चित रहा कि कचुबेरिया में भीड़भाड़ वाली सड़क पर गिरकर गंभीर रुप से घायल हुए एक बुजुर्ग तीर्थयात्री को जब परिषद के स्वयंसेवक पंकज और राहुल ने उठाकर तत्काल उपचार के लिए डॉक्टर के पास पहुंचाया तो उनके सहायक नीलरतन सरकार ने एक धन्यवाद आभार का विडियो बनाकर सरकार के कई उच्चस्तरीय लोगों तक पहुंचाया, जिसे बाद में कई सारे लोगों ने आगे भी शेयर भी किया। परिषद के नामखाना में लगाये गये शिविर के इंचार्ज डॉ चंद्र प्रकाश दाधीच और राहुल दाधीच, कचुबेरिया शिविर के इंचार्ज के रुप में पंकज शर्मा और विनीत शर्मा ने ज़िम्मेदारी सँभाली। गंगासागर सेवा शिविर के इंचार्ज के रुप में उपमंत्री सुरेश ईनानियां एवं संदीप ईनानियां 10 जनवरी से लेकर 15 जनवरी तक तीर्थ यात्रियों की सेवा में डटे रहे। सेवा मंत्री सुनील दाधीच के अनुसार तीनों ही कैंप में अध्यक्ष महेश शर्मा के निर्देशानुसार तीर्थयात्रियों के लिए खिचड़ी, पूड़ी साग, चाय बिस्कुट आदि की निःशुल्क व्यवस्थाएँ की गई। 13 जनवरी से लेकर 14 जनवरी तक परिषद के निज भूखंड रोड नंबर 5, गंगासागर मेला क्षेत्र में अखंड रामायण पाठ का आयोजन भी किया गया। पंकज शर्मा, विनीत शर्मा, मार्कण्डेय सिंह, सौरव भट्टड़, संदीप ईनानिया, मन्नालाल शर्मा, भरत शर्मा, गौरीशंकर जालान, कुणाल शर्मा, संदीप दाधीच, सुनील दाधीच आदि सभी कार्यकर्ता सदस्यों ने पूरे मनोयोग के साथ तीर्थयात्रियों की सेवा में जुटे रहे। **-आर.के. व्यास कोलकाता**

502, Chandak Heritage, Bh. Milap Petrol Pump, Goraswadi, S. V. Rd.,
Malad West, Mumbai, Maharashtra, Bharat- 400064
EMAIL: ndchandak56@gmail.com

गाड़ें झण्डा गाय का, देश हिंद का धर्म।
गाय संग में देव है, यही सनातन धर्म।।
'गौमाता बनें राष्ट्रमाता' अभियान के समर्थन को निवेदन

CA. Kamal Jain

Gandhinagar

भारत को 'भारत' ही बोला जाए एक राष्ट्र-एक नाम 'भारत'

'दादा गुरुदेव जिनदत्तसुरि चादर महोत्सव ६ से ८ मार्च तक', 'जैसलमेर' में दिव्यता का अवतरण

जैसलमेर राजस्थान की दिव्य धरा पर ०६, ०७ एवं ०८ मार्च २०२६ को अनोखे आलोक से आलोकित होने जा रही है, जब दादा गुरुदेव श्री जिनदत्तसूरि चादर महोत्सव अद्वितीय आध्यात्मिक गरिमा के साथ संपन्न होगा।

श्री जैन ट्रस्ट जैसलमेर, जिनदत कुशलसुरि खरतरगछ पेढ़ी एवं अ. भा. खरतरगछ प्रतिनिधि महासभा द्वारा आयोजित यह पावन पर्व, गुरुभक्ति, संस्कृति और साधना का महाआयोजन बनने जा रहा है। तीन दिवसीय महामिलन देशभर के गुरुभक्तों को एक सूत्र में पिरोने वाला समारोह सिद्ध होगा।

श्रीमान मंगल प्रभातजी लोढ़ा (मंत्री, महाराष्ट्र शासन), की अध्यक्षता में आयोजित होने वाले इस भव्य कार्यक्रम समिति के संयोजक तेजराज गुलेच्छा, समायोजक महेन्द्र भंसाली, समन्वयक प्रकाश लोढ़ा तथा मंत्री पदमकुमार टांटिया ने सामूहिक रूप से आयोजन की जानकारी 'मेरा राजस्थान' पत्रिका को देते हुए कार्यक्रम के महत्त्व को समझाया।

जैन शासन की खरतरगच्छ परंपरा में प्रथम दादा गुरुदेव श्री जिनदत्त सुरिजी का ११०० शताब्दी में अवतरण हुआ और उन्होंने अपनी विद्वता, साधना, चमत्कारों से मानवता को प्रभावित किया, उनके स्वर्गवास होने पर अंतिम संस्कार के समय धारण किये गए वस्त्र चमत्कारिक रूप से जले नहीं और वही वस्त्र आज भी (८७२ वर्ष पश्चात) जैसलमेर किले पर स्थित जैन मंदिर के ज्ञान भंडार में सुरक्षित रखे हैं, उन्हीं वस्त्रों के पूजन और अभिषेक के स्वरुप में यह भव्य आयोजन 'चादर महोत्सव' के रूप में आयोजित किया जा रहा है।

महोत्सव में युगदिवाकर, अवंति तीर्थोद्धारक आचार्य श्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वरजी म. सा. की पावन निश्रा एवं स्वप्न दृष्टा ब्रह्मसर तीर्थोधारक आचार्य श्री मनोज्ञ सुरीश्वरजी म.सा. सहित शताधिक साधु-साध्वी भगवंत की दिव्य छत्रछाया में होगी। महोत्सव के दौरान ही आध्यात्म योगी उपाध्याय श्री महेंद्रसागर जी म. सा. को आचार्य पद से सुशोभित किया जाएगा।

मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहनरावजी भागवत की पावन उपस्थिति समारोह की गरिमा को राष्ट्रस्तर पर रेखांकित करेगी।

बतादें कि देशभर से २०,००० से अधिक गुरुभक्तों के पधारने की संभावना है, भव्य नगर प्रवेश, शाही जुलूस, साधु-संतों की धर्मसभा, गुरुदेव के अक्षुण्ण वस्त्रों का पूजन, अभिषेक, वासक्षेप पूजा, संगीतमय गुरु इकतीसा पाठ, विश्व विख्यात कलाकारों द्वारा भजन संध्या, गुरुदेव के जीवन पर आधारित नाटिका आदि अनेक कार्यक्रम समापन तक आयोजन के प्रत्येक क्षण को आध्यात्मिक वैभव में रूपांतरित करेंगे।

समारोह स्थल पर भव्य साज-सज्जा, आधुनिक टेंट सिटी, देशभर से आए साधु–साध्वी भगवंत, हाथी–घोड़े–रथ–पालकी तथा आकर्षक झांकियां आयोजन को अप्रतिम भव्यता प्रदान करेगी।

महोत्सव में भाग लेने एवं आवास व्यवस्था हेतु ऑनलाइन पंजीयन अनिवार्य है, यह आयोजन केवल एक उत्सव नहीं, खरतरगच्छ की दिव्यता, परंपरा और गुरुभक्ति का विराट प्रकाशोत्सव बनने जा रहा है।

-पदम कुमार टाटिया
मंत्री, दादा गुरुदेव श्री जिनदत्तसुरि चादर महोत्सव

ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत के साथ
प्रसिद्ध 'सोजत' के इतिहास प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएं

LALIT KHARIWAL
Mob: +91 95438 50780

Chennai Chemicals
All General Lab Essential Chemical
Dealing in
chenchems
MERCK
NICE SINCE 1976
LOBA Chemie LABORATORY REAGENTS & FINE CHEMICALS
fisher scientific part of Thermo Fisher Scientific

Old no. 120, Nyniappa Naicken Street, Park Town,
Chennai, Tamil Nadu, Bharat- 600 003
Tel: 9361209225
Email: Chennaichemicals1@gmail.com

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!
INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
INDIA GATE का नाम
Remove INDIA Name From The Constitution
'भारतद्वार' लिखवायें
भारत को 'भारत' ही बोला जाए

सृष्टि के रचयिता भगवान विश्वकर्मा

अलग-अलग ग्रंथों में 'विश्वकर्मा जी' की वंशावली के सम्बन्ध में अलग-अलग जानकारी मिलती है, ऐसा क्यों है, कितने विश्वकर्मा हुए हैं?

सर्वप्रथम नारायण की आज्ञा से ब्रह्माजी ने इस पृथ्वी का निर्माण किया तो उन्हें इसे स्थिर रखने की चिन्ता हुई, जब उन्होंने इसके लिए नारायण से स्तुति की तो स्वयं नारायणजी ने विराट विश्वकर्मा का रूप धारण कर इस डगमगाती पृथ्वी को स्थिर किया, पृथ्वी के स्थिर हो जाने के पश्चात विश्वकर्मा ने विभिन्न लोकों की रचना की। समस्त सृष्टि के रचयिता ब्रह्माजी ने विभिन्न युगों में प्रलय के पश्चात सृष्टि की पुर्नरचना की तथा हर युग में 'विश्वकर्मा जी' ने अपना योगदान दिया, इस कारण अलग-अलग समय के अनुसार अवतार लिया। 'विश्वकर्मा' कोई नाम नहीं है यह तो पदवी ''उपाधि'' मात्र है, जिस-जिस ऋषि-महर्षि ने शिल्प वेद पढ़कर नये विज्ञान का आविष्कार किया, वह ऋषि-महर्षि आचार्य के द्वारा 'विश्वकर्मा' पद पर अभिशिष्ट हो, संसार में 'विश्वकर्मा' के नाम से प्रसिद्ध हो जाता है, जिस प्रकार आदिशंकराचार्य जी के पश्चात उनके मठ पर अभिशिष्ट प्रत्येक मठाधीश क्रमश: परम्परा से 'शंकराचार्य' ही कहलाते हैं, चाहे उनका निजी नाम कुछ भी क्यों न हो, इस प्रकार से आरम्भ काल से आज पर्यन्त अनेक 'विश्वकर्मा' हुए हैं, सारे 'विश्वकर्माओं' की निश्चित संख्या मालुम करना तो असंभव है लेकिन मुख्य 'विश्वकर्माओं' का विवरण इस प्रकार है:

जिस परमात्मा ने समस्त ब्रह्माण्ड को रचा और शिल्पविद्या की मूलपुस्तक 'अथर्ववेद' का प्रकाशन किया वे अनादि 'विश्वकर्मा' हैं।

परमात्मा ने अंगिरा को शिल्पविद्या का अधिकारी समझ उनके हृदय में शिल्पविद्या की मूल पुस्तक 'अथर्ववेद' का प्रकाशन किया, हमारे वंश में आदि विश्वकर्मा भगवान अंगिरा हुए और सृष्टि के आरम्भ में महर्षि अंगिरा की उत्पत्ति अग्नि नामक परमात्मा से हुई जो अग्नि शिल्प विद्या का मूल साधन हैं यथा ये ब्रह्मा मानस पुत्रों में से थे। अग्नि के पुत्र अंगिरा के आग्नेय संज्ञा वाले आठ पुत्र हुए बृहस्पति, उत्थ्य, आपत्यद्ध, पथस्य, शासन, धोर, विरूप, सवर्त और सुधन्वा। अंगिरा वंश में आदि शिल्पाचार्य विश्वकर्मा हुए, 'विश्वकर्मा' संस्कृत साहित्य में अनेक अर्थों में प्रयुक्त हुआ है। प्रथम अर्थ उस विराट शक्ति का बोधक है जिसने सृष्टि को रचा, द्वितीय अर्थ है अंगिरा वंश के भुवन का पुत्र 'विश्वकर्मा', जो शिल्प के प्रवर्तक हुए तथा तृतीय अर्थ है 'विश्वकर्मा' उपाधि, जो विभिन्न कार्यों में दक्ष होने के कारण अनेक व्यक्तियों को प्रदान की गई इसके अतिरिक्त आत्मा, वाणी, प्राण, आदित्य, त्वष्टा तथा प्रजापति के अर्थ में भी 'विश्वकर्मा' शब्द का प्रयोग हुआ है। प्रथम तीन प्रकार के 'विश्वकर्माओं' का वर्णन मिले-जुले रूप में करने से 'विश्वकर्मा' का यथार्थ स्वरूप हृदयंगम नहीं हो सका, अत: हमें उसके यथार्थ स्वरूप को समझने का प्रयत्न करना है। ब्रह्म ऋषि अंगिरा के आप्त्य ऋषि हुए और आप्त्य के पुत्र भुवन तथा भुवन के पुत्र 'विश्वकर्मा' हुए। आश्वलायन ''सर्वालुक्रमणिका'' व्याख्याकार षडगुरू भाष्य के अष्टम् अध्याय में लिखा है कि भुवन नाम आप्त्य पुत्र का है और भुवन का पुत्र होने के कारण 'विश्वकर्मा' का अंगिरस वंश व ऋषि गौत्रत्व है। ऋग्वेद दशम मण्डल के सूक्त, यजुर्वेद अध्याय १७ के मंत्र, एतरेय ब्राह्मण के भाष्यकार सायणाचार्य ने भी 'विश्वकर्मा' का, भुवन पुत्र के रूप में अनेक जगह उल्लेख किया गया है। भुवन का यही पुत्र 'विश्वकर्मा' सब शास्त्रों में देवताओं का शिल्पी कहलाया है। विश्वकर्मा और उसकी सन्तान के विद्वान लेखक ने विश्वकर्मा को भुवन का पुत्र माना है।

इन सब प्रमाणों से यह सिद्ध हो जाता है कि 'विश्वकर्मा' भुवन के पुत्र, आप्त्य के पौत्र तथा अंगिरा के वंश में हुए, वेद तथा ब्राह्मण ग्रन्थों में केवल भुवन पुत्र विश्वकर्मा के ही प्रमाण मिलते हैं, अन्य किसी विश्वकर्मा के नहीं।

विश्व मेदिनी कोष के अनुसार सुधन्वा विश्वकर्मा थे, उनके तीन पुत्र हुए, उनमें से ऋभू शिल्पी हुए, ब्रम्हाण्ड पुराण में अंगिरा के सात **शेष पृष्ठ २८ पर...**

मैं भारत हूँ फाउंडेशन
भारत को 'भारत' ही बोला जाए

भारत को केवल BHARAT ही बोला जाए अभियान में क्या आप सहयोग देना चाहते हैं तो संपर्क करें-9322307908

Follow for more updates
https://www.instagram.com/mainbharathun_?

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
https://www.instagram.com/mainbharathun_?

पृष्ठ २७ से... पुत्रों में से सुधन्वा के अलावा आप्त्य के एक भुवन नामक पुत्र हुआ जो भुवन ऋषि के नाम से विख्यात हुए। आश्वलायन सर्वानुक्रमणिका व्याख्याकूत श्री षड् गुरूभाष्य के आठवें अध्याय में लिखा है कि भुवन ऋषि के भौमन विश्वकर्मा हुए।

'विश्वकर्मा' भगवान अंगिरा वंशीय होने के आधार पर हम शिल्पी अंगिरा वंशी हैं, सबमें मुख्य होने से ज्यादा प्रसिद्ध ये ही हैं। ऋषि अंगिरा, उपाध्य, भुवन व भौमन, ये सारे के सारे शिल्पी और मंत्र अष्टा ऋषि हुए हैं।

भृगु पुत्र शुक्लाचार्यजी और ऋषि सायं की बेटी सोमया नाम की स्त्री से सूर्य तेज के समान त्वष्टा नामक पुत्र हुए, यही शिल्प विद्या के द्वारा विश्वकर्मा हुए, महाभारत में 'मय' नामक विश्वकर्मा हुए।

धर्म ऋषि के पोते अष्टम् वसु प्रभास को अंगिरा की पुत्री व देवताओं के गुरू बृहस्पति की बहिन विश्रुता/भुवना ब्याही गई, इनके पुत्र विश्वकर्मा हुए। भुवनपुत्र विश्वकर्मा ही आदि शिल्पाचार्य है। काल की दृष्टि से भुवन पुत्र विश्वकर्मा ही आदि शिल्पाचार्य हैं और वे ही सर्वप्रथम हुए हैं। मनु, मय, त्वष्टा, शिल्पी और देवज्ञ, श्री विश्वकर्मा के ये पंचपुत्र पंचविधाता के नाम से विख्यात हैं, इनके पांच शिल्प कर्म यज्ञकर्म है जो पवित्र एवं लोक हितकारी हैं। शिल्प देवकर्म, ब्राह्मण कर्म हैं, इन शुभ शिल्पकर्मों के करने वाले सभी शिल्पकार पूज्य एवं वंदनीय हैं। भगवान विश्वकर्मा सही अर्थ में देवता और शिल्प विज्ञान के आदि प्रवर्तक हैं जिन्होंने श्रम और नियम का प्रवर्तन कर जगत का मनोहर रूप बनाया है, ये ही सर्वप्रथम श्रमिक, नियामक हैं जिन्होंने श्रम और कठोर साधना से पंचतत्वों की रचना कर सम्यक सृष्टि का निर्माण नियमन किया है। एतदर्थ वेदों से लेकर महाकवि तुलसी कृत रामायण पर्यंत सभी मान्य ग्रन्थों में इनका उल्लेख मिलता है, बड़े आदर के साथ ऋषि मुनि और महात्माओं ने जगनियंता, विराट, विष्णु, शिव, त्वष्टा, नारायण, विश्वरूप, कश्यप, वाचस्पति, हिरण्यगर्भ, परमब्रह्म, जगदगुरू, शिल्पाचार्य, देवाचार्य, विश्वकर्मा विशारद, विश्वायु और सर्वज्ञ आदि सम्मान सूचक शब्द कहकर इनकी स्तुति गायी है।

विश्वकर्माजी की हम सभी आराध्य देव के रूप में पूजा करते हैं, वे स्वयं किसकी संतान हैं और उनका क्या परिचय है?

'विश्वकर्मा' नाम ही अनेकार्थी है। आत्मा, परमात्मा, सूर्य अथर्ववेद, ऋषि आदि अनेक अर्थों में विश्वकर्मा शब्द प्रयोग किया जाता है, यहां हम निर्माण के देवता 'विश्वकर्मा' विषय पर लिख रहे हैं। देव श्रेणी के महापुरूषों प्राचीन कालीन ऋषि मुनियों आदि की वंशावली पुराणों में मिलती है, निर्माण का देवता आदिकालीन ऋषियों महर्षियों की श्रेणी में आता है।

धर्म ऋषि के पोते अष्टम वसु प्रभासजी को अंगिरा की पुत्री विश्रुता, जो ब्रह्मा वादिनी थी ब्याही गई, जो भुवना नाम से भी प्रसिद्ध है। प्रभास वसू के पुत्र विश्वकर्मा नाम से विख्यात हुए। माघ मास में शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी के पुण्य दिन पुनर्वसु नक्षत्र के अठाइसवें अंश में विश्वकर्माजी ने जन्म लिया। भविष्य पुराण, स्कन्द पुराण के अतिरिक्त वशिष्ठ ने भी विश्वकर्मा की जन्मतिथि का स्पष्ट उल्लेख किया है। इसका आधार मदनरत्न वृद्ध वशिष्ठ पुराण का यह श्लोक है:-

माघे शुक्ल त्रयोदश्यां दिवा पुण्ये पुनर्वसौ
अष्टाविंशांति में जातो विश्वकर्मा भवानि

अर्थात्: शिवजी बोले की हे पार्वती! माघ मास के शुक्ल पक्ष में त्रयोदशी तिथि को पुनर्वसु नक्षत्र के अठाइसवें अंश में 'विश्वकर्मा' के रूप में जन्म धारण करता है, इस प्रमाण में न केवल मासव तिथि का उल्लेख मिलता है अपितु नक्षत्र और उसके अंश की भी जानकारी भी मिलती है। भारत भर में सर्वाधिक स्थानों पर इसी दिन विश्वकर्मा का जन्म दिवस मनाया जाता है। **शेष पृष्ठ २९ पर...**

गो-सेवक परिवार आपका मंगलाकांक्षी है।
'गौमाता बनें राष्ट्रमाता' अभियान के समर्थन को निवेदन

PRAKASH RATANLAL KEDIA
Mob. 09820081418
Owner
Asha Yarns
Authorised Agent Sintex Industries Ltd
Linen Yarn Division
301, B Grace Chambers, Amrut Nagar, Chakala,
Andheri-Kurla Road, Near Holy Family Church,
Andheri East, Mumbai, Maharashtra, Bharat-400093

गो-सेवक परिवार आपका मंगलाकांक्षी है।
'गौमाता बनें राष्ट्रमाता' अभियान के समर्थन का निवेदन

Binod K Bhuwalka C.E.O
Mob: 9811023134
Email: binodbhuwalka@hotmail.com
Thermofriz® PRODUCTS COMPANY SINCE 1958
Customized Acoustic Turnkey Project for Auditorium,
Cinema Hall, Classroom, Hospital, AV Room, Club,
Home Theater, Lecture Hall & Many More
THERMOFRIZ LUBRICANT COMPANY
FIBTEX ACOUSTIC PROJECTS
THERMOFRIZ PAINT COMPANY
THERMOFRIZ PLANT COMPANY
Office:1F-08, 1st Floor, Ozone Centre, Sector-12,
Faridabad, Haryana, Bharat- 121007
Ph: 9910827999
Manufacturing Unit: Andop Road, Sondh, Hodal, Haryana-121106

पृष्ठ २८ से... श्री विश्वकर्माजी निर्माण के देवता माने जाते हैं,

शिल्प शास्त्र प्रणेता : अब तक यह स्पष्ट हो गया है कि विश्वकर्मा ने लोक कल्याण के पावन उद्देश्य से प्रेरित होकर अपने शिल्प नैपुण्य से अनेक वस्तुओं की रचना की, अपने उस शिल्पविज्ञान एवं शिल्प नैपुण्य को आगे आने वाली सन्तति के निमित्त चिरस्थायी करने के लिये तथा आगे भी उसका प्रयोग कर मनुष्य को ऐश्वर्यशाली बनाने के लिये उस ज्ञान को विश्वकर्मा ने व्यवस्थित रूप प्रदान करते हुए अनेक शिल्प शास्त्रों की रचना की।

शिल्पशास्त्रों की दृष्टि से इन्जीनियरिंग पर सर्वप्रथम अधिकारिक रचना है, इसे अथर्ववेद के उपवेद की संज्ञा प्राप्त है, यह विश्वकर्मा द्वारा निर्मित है, वस्तुत: यह सम्पूर्ण शिल्पशास्त्र का समुच्चय है। महर्षि दयानन्द ने भी सब शिल्पशास्त्रों में इसी को सर्वाधिक प्रमाणिक माना है, इस शिक्षा की अन्तिम परिपक्व अवस्था में अन्य सब ग्रन्थों से अधिक समय रखते हुये ६ वर्ष का रखा गया है तथा इन ६ वर्षों में पढ़कर विमान तथा भूगर्भादि विद्याओं को साक्षात् करना बताया गया है।

विश्वकर्मा ने समस्त शिल्पविज्ञान को चतुर्विध विभाजन कर फिर उनका अवान्तर भेद कर, दस शास्त्रों में निरूपण किया है। उत्पादन की दुष्टि से कृषि, जल तथा खनिज-ये तीन विभाग हैं, आवास की दृष्टि से वास्तु, प्राकार तथा नगर रचना, ये तीन विभाग हैं।

आवागमन के साधनों की दृष्टि से रथ, नौका तथा विमान, ये तीन विभाग हैं, अन्य सभी प्रकार के यंत्रों का चौथा यंत्र विभाग है, इस प्रकार समस्त शिल्प विज्ञान का निम्नलिखित नौ शास्त्रों के अन्तर्गत प्रतिपादन किया गया है:

१.कृषि शास्त्र, २. जल शास्त्र, ३. रथ शास्त्र, ४. नौका शास्त्र, ५. विमान शास्त्र, ६.वास्तु शास्त्र, ७. प्रकार शास्त्र, ८. नगर रचना शास्त्र, ९. यन्त्र शास्त्र।

इन सभी विषयों पर विश्वकर्मा ने १२ सहस्त्र ग्रन्थ लिखकर शिल्पविज्ञान अथर्ववेद को सुपूर्द किया, जो कलयुग में घटकर उन सबका समावेश चार सहस्त्र ग्रन्थों में हो गया, विश्वकर्मा रचित इन शिल्पशास्त्र के ग्रन्थों में केवल पांच-सात ग्रन्थ ही उपलब्ध हैं।

शोषणरहित अर्थव्यवस्था के प्रवर्तक तथा अर्थव्यवस्था की तीन पद्धतियों की दृष्टि से भी विश्वकर्मा को भारतीय समाज व्यवस्था में एक अनुपम स्थान प्राप्त है। विश्वकर्मा के इस वैशिष्ट्य की और अभी विद्वानों का कम ध्यान गया है परन्तु विश्वकर्मा पद्धति पूर्ण एवं आदर्श है।

भगवान श्री विश्वकर्मा ने देवताओं के सभी अस्त्र-शस्त्र, आभूषण, अलंकार, सभी विमान तथा श्रेष्ठ प्रासादों को निर्माण किया। अद्वितीय पुष्पक विमान के कर्ता अदभूत शिल्पी प्रजापति श्री विश्वकर्मा हैं।

महाप्रभु-जगतपिता ब्रह्माजी की प्रेरणा से ही श्री विश्वकर्मा ने पुष्पक विमान का निर्माण किया, जिसकी रचना को सौन्दर्य, कला, शक्ति आदि की दृष्टि से नापा नहीं जा सकता। पारिजात आदि दिव्य पुष्पों के चूर्णों से अनेक प्रकार की कलाकृतियों तथा भव्य दृश्यों से सुशोभित होने के कारण ही यह पुष्पक विमान कहलाता है। विश्व के कर्म देवता और इसी देवता की एक संतान सुथार-समाज एक योग्य देवता की योग्य संतान, असंभव को संभव बनाने वाली एवं नित्य नई वस्तु से दुनिया को परिचय कराने वाली सुथार जाति, आज के इस प्रगतिशील युग में सभी की एक ही राय है कि सुथार समाज के किसी भी व्यक्ति को यह भगवान की देन है कि वह किसी भी कार्य को इतने अच्छे तरीके से कर सकता है कि जितना अन्य व्यक्ति नहीं, साथ ही यह कहावत भी प्रचलित है कि सुथार का बेटा कभी भूखा नहीं मरता अर्थात् इसी समाज के प्रत्येक सदस्य में कोई एक विशेष योग्यता अवश्य होती है। सुथार समाज का गौरवमय स्थान बरकरार रहे, यही श्री विश्वकर्मा प्रभु की सच्ची सेवा-पूजा होगी।

गो-सेवक परिवार आपका मंगलाकांक्षी है,
'गौमाता बनें राष्ट्रमाता' अभियान के समर्थन का निवेदन

VIJAY BAGRI
Mob: 9151655055 / 9444051154

Bhawani Chemicals
Dealer and importer of
Chemicals minerals solvents & polymers

Suite No. 5, 3rd Floor, Dr. Rajivi Towers,
No. 231, Puraswakkam High Road, Chennai,
Tamil Nadu, Bharat- 600007 | Email: bhawanichem@gmail.com

ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत के लिए प्रसिद्ध 'सोजत' के इतिहास प्रकाशन पर हार्दिक शुभकामनाएं

Chandra Prakash Lodha
Mob: +919347257186

Vinay Lodha
Mob: +919392947200

Mangal Jewellers & Pawn Brokers
Gold & Silver Showroom

8-1-59/A Satya Complex, Old Bowenpally,
Secunderabad, Telangana, Bharat- 500011

भारत को 'BHARAT' ही बोलेंगे
जय भारत! जय-जय राजस्थान
Remove **INDIA** Name From The Constitution

भंवरलाल पगारिया
संस्थापक श्री सोजत जैन संघ बेंगलुरु
सोजत निवासी-बेंगलुरु प्रवासी
भ्रमणध्वनि: 9448238429

भंवरलाल जी अपनी जन्मभूमि 'सोजत' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि पहले का 'सोजत' पूरी तरह से गांव जैसा था और आज शहर बन रहा है, 'सोजत' हमेशा से ही मेहंदी के निर्माण और खेती के लिए जाना जाता है, यहां की मेहंदी बहुत ही प्रसिद्ध है, इसके अलावा 'सोजत' में सब्जी और फलों की भी पैदावार होने लगी है, विशेष नीम, बबुल भी होते है, जिससे बनने वाली वस्तुओं का निर्यात किया जाता है, 'सोजत' की अजवाइन भी काफी उत्तम गुणवत्ता वाली होती है, आज 'सोजत' में इंडस्ट्रीज एरिया भी है, लगभग २५० के लगभग छोटी-बड़ी कंपनियां है, 'सोजत' में कृषि मंडी और अनाज मंडी भी है। 'सोजत' एक तहसील है, जो नगरपालिका के अंतर्गत संचालित है, इसमें लगभग १५० गांव लगते हैं। सामाजिक दृष्टिकोण से 'सोजत' बहुत उत्तम है, हर धर्म समाज के लोग बसे हुए हैं, यहां जैन समाज के लगभग १६ जैन मंदिर हैं, मरुधर केसरी की पावन भूमि, गुरु सेवा समिति भी स्थापित है, जहां पर उनका स्मृति कलश रखा हुआ है, यहां जैन मंदिरों में सबसे बड़ा गौडी पार्श्वनाथ जी का मंदिर है और सबसे पुराना आदिश्वर नाथ जी का मंदिर है, इसके अलावा चारभुजा मंदिर, हनुमान जी का मंदिर, चामुंडा देवी का मंदिर, नरसिंह जी का मंदिर व अन्य कई देवी-देवताओं के मंदिर हैं, जैन समाज के दादावाड़ी और स्थानक भी बने हुए हैं। शिक्षा और चिकित्सा के दृष्टिकोण से भी आज उत्तम है, यहां कई विद्यालय, महाविद्यालय स्थापित हैं। प्राचीनता की बात की जाए तो 'सोजत' में बहुत ही पुराना गढ़ है, इसके अलावा हाकम की हवेली व प्राचीन बावड़ी भी है, यहां का सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन 'सोजत रोड' है, यहां बस स्टैंड की सुविधा है और यह नेशनल हाईवे से भी जुड़ा हुआ है।

यहां की सबसे पुरानी और प्रमुख गौशाला 'उम्मेद गौशाला' है, जिसकी स्थापना मेरे पिताजी द्वारा की गई थी, आपके पूज्य पिताजी केवलचंद जी ने धान मंडी में भेरुजी का थान बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया था, ऐसी और भी कई विशेषताएं हैं हमारे 'सोजत' में....

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि 'भारत' हमारे देश का मूल नाम है, अतः हर भाषा में अपने देश को 'भारत' ही बोला जाना चाहिए।

गाय हम सभी के लिए पूजनीय है, उनका सम्मान होना जरूरी है, उनके संरक्षण के लिए उन्हें राष्ट्रमाता का सम्मान अवश्य मिलना चाहिए।

भंवरलाल जी का जन्म और शिक्षा 'सोजत' में संपन्न हुई है, १९७० से आप 'बेंगलुरु' में बसे हैं और व्यवसाय में संलग्न है, साथ ही सामाजिक कार्य में भी सक्रिय है, सोजत जैन संघ बेंगलुरु के चेयरमेन रहे हैं, अन्य संस्थाओं से भी जुड़े हैं। सोजत में २०२४ में पूज्य मरुधर केसरी के सुशिष्य सुकल मुनि जी म.सा. आदि ठाणा पांच का चातुर्मास आपकी ही अध्यक्षता में संपन्न हुआ था। जय भारत!

- मेरा राजस्थान

लक्ष्मीनारायण मुंदडा
अध्यक्ष उम्मेद गौशाला सोजत
सोजत निवासी-बैंगलोर प्रवासी
भ्रमणध्वनि: 9845477304

लक्ष्मीनारायण जी अपनी जन्मभूमि व कर्मभूमि 'सोजत' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि पहले और आज के 'सोजत' में बहुत ही अंतर आ गया है, पहले यह एक छोटा सा कस्बा हुआ करता था, सुविधा भी सीमित थी और आज का 'सोजत' एक शहर बन रहा है, हर तरह की सुविधा हो गई है आवागमन के साधन बढ़ गए हैं, यहां का नजदीकी रेलवे स्टेशन 'सोजत रोड' है और यह क्षेत्र दिल्ली-कांडला पोर्ट राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित है, आज यहां कई विद्यालय, महाविद्यालय अस्पताल खुल गए हैं। लड़कियों के लिए अलग से विद्यालय की व्यवस्था है। 'सोजत' हमेशा से ही मेंहदी के लिए विख्यात था और आज भी यहां मेंहदी निर्माण कार्य बड़े पैमाने पर होता है, इसका निर्यात विदेशों में भी होता है। 'सोजत' की मेंहदी बहुत ही गुणकारी है, इसके अलावा 'सोजत' में हर तरह की फसलें होती हैं, पहले यहां अजवाइन भी बड़े पैमाने पर होती थी, जिसका निर्यात भी किया जाता था। 'सोजत' में कुछ चूना के भट्टे भी हैं, यहां का बाजार बहुत ही अच्छा है, कृषि मंडी में ही मेंहदी की अलग से मंडी लगती है। सामाजिक दृष्टिकोण से भी 'सोजत' बहुत ही उत्तम है, हर धर्म समाज के लोग बसे हुए हैं, यहां जैन समाज के कई मंदिर और धर्मशालाएं बनी हुई हैं, इसके अलावा सनातन धर्म के देवी-देवताओं में टेकड़ी पर स्थित चामुंडा माता का मंदिर बहुत ही प्रसिद्ध है। शीतला माता जी का मंदिर, चारभुजा का मंदिर, सीताराम का मंदिर हमारे परिवार द्वारा बनाए गए हैं। पहले यहां जैन समाज के ५०० से भी अधिक परिवार निवास करते थे, आज रोजगार व्यवसाय के लिए देश के विभिन्न भागों में जाकर बस गए हैं। आज 'सोजत' में मात्र १०० से १५० परिवार ही जैन समाज के हैं। 'सोजत' एक ऐतिहासिक नगरी है, यहां प्राचीन समय का किला, हवेली और बावड़ी भी है। 'सोजत' एक तहसील है, जिसके अंतर्गत कई गांव आते हैं, यहां तहसील कार्यालय, सिविल कोर्ट जैसे कई सरकारी **शेष पृष्ठ ३१ पर...**

पृष्ठ ३० से... कार्यालय हैं। 'सोजत' की उम्मेद गौशाला सबसे पुरानी गौशाला है, जिसमें लगभग ६५० पशुधन है!
'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का एक ही नाम रहना चाहिए 'भारत',चाहे भाषा कोई भी हो?
गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान अवश्य मिलना चाहिए, हम गााय को गौमाता के रूप में पूजते हैं। धार्मिक रूप से 'गाय' का बहुत बड़ा महत्व है, जो गायों को पालता है, उसकी सारी तकलीफें दूर हो जाती हैं, ऐसी और कई मान्यताएं हैं जो गाय को अन्य पशुओं से प्रमुख बनाती है, इसीलिए गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान अवश्य मिलना चाहिए।
लक्ष्मीनारायण जी का जन्म और शिक्षा 'सोजत' में ही संपन्न हुई है। अपने उम्र के ५२ सालों तक आप 'सोजत' में ही बसे रहे और मेंहदी का व्यापार किया। वर्तमान में आप अपने पुत्रों के साथ 'बेंगलुरु' में बसे हुए हैं, सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय हैं। 'सोजत' स्थित उम्मेद गौशाला के अध्यक्ष पद पर कार्यरत हैं।
जय गौमाता! जय भारत!

-मेरा राजस्थान

ललित खरीवाल

व्यवसायी व समाजसेवी
सोजत निवासी-चेन्नई प्रवासी
भ्रमणध्वनिः 9543850780

ललित जी अपनी पैतृकभूमि 'सोजत' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि पहले और आज के 'सोजत' में काफी अंतर आ गया है, इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट बहुत ही उत्तम है, शिक्षा और चिकित्सा व्यवस्थाएं बहुत अच्छी हैं, आज कई बड़े-बड़े कॉलेज, अस्पताल स्थापित हैं। सामाजिक दृष्टिकोण से भी क्षेत्र बहुत ही उत्तम है, हर धर्म-समाज के लोग बसे हुए हैं, यहां अग्रवाल, माहेश्वरी, जैन सभी समाज की सामाजिक संस्थाएं भी कार्यरत हैं, मरुधर केसरी जैन आचार्य मिश्रीमल जी म.सा. जी की समाधि स्थल भी है। यहां जैन समाज की पुस्तकालय भी है, जिसमें हजारों की संख्या में पुस्तके हैं, जो जैन सिद्धांतों से जुड़ी हैं। विशेषता की बात की जाए तो पूरे विश्व में मेहंदी के निर्माण के लिए 'सोजत' जाना जाता है, यहां मेंहदी की खेती भी होती है, धार्मिक स्थान में यहां जैन समाज के कई जैन मंदिर हैं, जिनमें गौडी जी पार्श्वनाथ जी का मंदिर सबसे पुराना है, पहले सोजत परकोटे के बीच बसा हुआ था, जिसके सात दरवाजे थे और आज भी यहां सात दरवाजे मौजूद है, पर जर्जर अवस्था में है। 'सोजत' का किला भी एक उल्लेखनीय है, आशापुरा माताजी का मंदिर, रामदेवरा जी का मंदिर भी है, माहेश्वरीयों के बास में पुराना कबूतरों का चबूतरा है जहां आज भी सैकड़ों कबूतरों को दाना डाला जाता है और भी कई विशेषताएं हैं हमारे 'सोजत' में...
गाय को 'राष्ट्रमाता' घोषित करने के संदर्भ में आपका कहना है कि गाय सभी के लिए पूजनीय है, हमारे वेदों पुराणों में भी गाय को विशेष स्थान दिया गया है, गाय से मिलने वाला प्रत्येक पदार्थ उपयोगी होता है।
'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि यह बहुत उचित है कि अपने देश का एक ही नाम रहना चाहिए 'भारत', भरत चक्रवर्ती के नाम से इस भूखंड का नाम 'भारत' पड़ा है जो सदियों पुराना है।
ललित जी मूलतः 'सोजत' के निवासी हैं, आपका जन्म व सम्पूर्ण शिक्षा 'चेन्नई' में संपन्न हुई है, चेन्नई में आप केमिकल व्यवसाय से जुड़े हैं, साथ ही सामाजिक क्षेत्र में भी सक्रिय रहते हैं, पूर्व में श्री सोजत जैन संघ तमिलनाडु के सचिव रहे हैं, जैन बिजनेस संगठन के सदस्य हैं। जय भारत!

-मेरा राजस्थान

कमलेश शर्मा (जांगिड़)

वरिष्ठ उपाध्यक्ष अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण प्रदेश सभा गुजरात
चूरु निवासी-अहमदाबाद प्रवासी
भ्रमणध्वनिः 9898068805

कमलेश जी 'विश्वकर्मा जयंती' की शुभकामनाएं देते हुए कहते हैं कि ३१ जनवरी २०२६ सृष्टि के रचयिता भगवान श्री विश्वकर्मा के जन्म दिवस पर जांगिड़-सुथार समाज 'विश्वकर्मा जयंती' मनाते हैं, इस महाउत्सव में पूजा-हवन, महिलाओं की कलश यात्रा, बाईक रैली के साथ श्री विश्वकर्मा भगवान की शोभा यात्रा निकाली जाती है, शोभा यात्रा के बाद महाप्रसाद का कार्यक्रम होता है, कम से कम ४-५ हजार लोगों का भोजन होता है, बहुत जोर-शोर से यह महोत्सव मनाया जाता है, इस पर्व पर बुजूर्गो का सम्मान भी किया जाता है। अहमदाबाद में दो संस्थाएं हैं, एक जांगिड़ ब्राह्मण समाज वाड़ी जो अहमदाबाद नरोडा में है, दूसरा श्री विश्वकर्मा मंदिर है जो साबरमती में है, बाईक रैली के साथ शोभायात्रा समाज वाड़ी से विश्वकर्मा मंदिर जाती है, आपके पिताजी समाज सेवी थे, हर आयोजन में आप अपने पिताजी के साथ आते-जाते रहते थे, उसी वजह से आपकी जान पहचान बनीं।
कमलेश जी मूलतः राजस्थान स्थित 'चूरु' निवासी हैं, वर्तमान में 'अहमदाबाद' प्रवासी हैं। आपका जन्म व शिक्षा 'अहमदाबाद' में सम्पन्न हुई। आप अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण प्रदेश सभा गुजरात के वरिष्ठ उपाध्यक्ष हैं। आपका व्यवसाय Engineering Industries Anamika Filters के नाम से है।
जय गौ माता! जय भारत!

-मेरा राजस्थान

गो-सेवक परिवार की चाह, देवी स्वरूपा गाय की रक्षा हो-भंवरलाल पगारिया, गौभक्त सोजत निवासी-बेंगलुरु प्रवासी

एम. गौतमचंद गांधी

व्यवसायी व समाजसेवी
सोजत निवासी-हैदराबाद प्रवासी
भ्रमणध्वनिः 9866630101

गौतमचंद जी अपनी जन्मभूमि 'सोजत' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि 'सोजत' प्राकृतिक रूप से बहुत ही सुंदर स्थान है। सामाजिक दृष्टिकोण से भी 'सोजत' बहुत ही उत्तम है, हर समाज के लोग बसे हैं और सभी के बीच सौहार्द का वातावरण है, सोजत शहर में प्रवेश करते ही चौराहे पर भव्य महावीर सर्किल है, 'सोजत' में जैन समाज के कई मंदिर हैं, जिनमें गौडी जी पार्श्वनाथ का मंदिर, आदेश्वर दादा का मंदिर और महावीर स्वामी जी का मंदिर सबसे प्राचीन और प्रमुख माना जाता है,'सोजत' में कई स्थानक हैं, जिसमें कोट का मोहल्ला में स्थित श्री जैन स्थानक सबसे बड़ा है। यह क्षेत्र मरुधर केसरी मिश्रीमल जी म.सा. की पावन भूमि है, यह उनका कर्म क्षेत्र रहा है। यहां होली, शीतला अष्टमी, हनुमान जयंती, दीपावली जैसे अवसरों पर भव्य कार्यक्रमों का आयोजन होता है, जिसमें समाज के सभी लोग सम्मिलित भी होते हैं, समय-समय पर मेले भी लगते हैं, जहां आसपास के क्षेत्र से भी लोग आते हैं। 'सोजत' अपनी मेहंदी के लिए पूरे विश्व में विख्यात है, जिसका निर्यात देश ही नहीं विदेशों में भी किया जाता है, यहां मेहंदी से जुड़े कई छोटे-बड़े कंपनियों के कारखाने लगे हैं, इसके अलावा अन्य उद्योग व्यापार भी 'सोजत' में होते हैं। 'सोजत' में संचालित मरुधर केसरी मिश्रीमल जी म.सा. की प्रेरणा से 'आचार्य श्री रघुनाथ जैन चिकित्सालय' स्थापित है, सोजत सेवा मंडल द्वारा समय-समय पर अस्पताल में भर्ती मरीजों को भोजन, औषध व अन्य व्यवस्था उपलब्ध कराती है, 'सोजत' में ही समाज द्वारा श्री उम्मेद गौशाला भी संचालित है, जो यहां के महाराजा उमेद सिंह के नाम से संचालित है, साथ ही यहां गोचर की बहुत बड़ी भूमि है। 'सोजत' में प्राचीन समय का किला, तालाब, हवेलियां भी हैं, प्राचीन समय में 'सोजत' परकोटे के बीच बसा हुआ था और इसके सात दरवाजे आज भी मौजूद हैं, इसके अलावा नरसिंह जी की भाकरी, हनुमान जी की भाकरी, चामुंडा माताजी की भाकरी है, जो पहाड़ पर स्थित है और भी कई विशेषताएं हैं हमारे 'सोजत' में.......

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का एक ही नाम, एक ही पहचान रहनी चाहिए 'भारत', यह भूमि भरत चक्रवर्ती के नाम से जानी जाती है।

गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान मिलना ही चाहिए, भारत कृषि प्रधान क्षेत्र है, गाय हमारे लिए माता समान है, गाय से मिलने वाली प्रत्येक वस्तु मनुष्य के लिए बहुत ही उपयोगी होती है, इसलिए भारत के हर क्षेत्र में हर गांव में एक गौशाला अवश्य रहती है, गाय की सुरक्षा सेवा के लिए 'राष्ट्रमाता' का साम्मान अवश्य मिलना चाहिए।

गौतमचंद जी का जन्म और संपूर्ण शिक्षा 'सोजत' में ही संपन्न हुई है, पिछले १४ सालों से आप 'हैदराबाद' में बसे हुए हैं और करंसी एक्सचेंज के कारोबार से जुड़े हैं, साथ ही सामाजिक क्षेत्र में भी सक्रिय रहते हैं। जैन सेवा संघ के सदस्य हैं, सोजत सेवा मंडल, श्री उम्मेद गौशाला, मरुधर केसरी पावन धाम व आर. एस. एस. से भी जुड़े हैं। जय गौमाता! जय भारत! **- मेरा राजस्थान**

चंद्रप्रकाश लोढा

मंत्री श्री जैन श्रावक संघ कोरा छावनी सिकंदराबाद
सोजत निवासी-हैदराबाद प्रवासी
भ्रमणध्वनिः 9347257186

चंद्रप्रकाश जी अपनी जन्मभूमि 'सोजत' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि पहले के मुकाबले आज 'सोजत' बहुत बढ़ गया है, सुविधा बढ़ गई हैं, आवागमन के साधन बढ़ गए हैं, लोगों के रहन-सहन में बहुत अंतर आ गया है, आज यहां कई बड़े-बड़े होटल खुल गए हैं। यहां का सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन 'सोजत रोड' है, 'सोजत सिटी' नेशनल हाईवे से जुड़ा हुआ है, यह क्षेत्र धार्मिक रूप से भी बहुत ही उत्तम है, हर धर्म व समाज के लोग बसे हुए हैं। नेशनल हाईवे पर गुरु सेवा समिति बनाई गई है, जिसमें मरुधर केसरी मिश्रीमल जी म. सा. का कलश गुरु सेवा समिति में रखा गया है, यहां का खान-पान बहुत ही उत्तम है, विशेकर की मिर्ची वडे, कचोरी अच्छी है, दूसरा यहां गाल के लड्डू बहुत ही प्रसिद्ध हैं जो अन्यत्र कहीं नहीं पाए जाते, यहां की सबसे बड़ी गौशाला 'उम्मेद गौशाला' है जो कई एकड़ में फैली है, इसके अलावा यहां कई देवी-देवताओं के भी मंदिर हैं। गौडी जी पार्श्वनाथ जी का मंदिर, चारभुजा जी का मंदिर और गांव की रक्षा करने वाली देवी चामुंडा देवी का अपना अलग ही स्थान है, यहां होली में गेर निकलती है जो जोधपुर के बाद 'सोजत' की प्रमुख मानी जाती है।

'सोजत' की मेहंदी पूरे विश्व में विख्यात है, यहां मेहंदी की खेती और निर्माण कार्य बड़े पैमाने पर होता है, जिसका निर्यात विदेश में भी होता है और भी कई विशेषताएं हैं हमारे 'सोजत' में.....

गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान अवश्य मिलना चाहिए, गाय हमारे लिए पूजनीय है, उनका सम्मान अवश्य होना चाहिए।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का एक नाम, एक पहचान रहनी चाहिए 'भारत'!

चंद्रप्रकाश जी मूलतः 'सोजत' के निवासी हैं। आपका जन्म व शिक्षा 'सोजत' में हुई है। पिछले ४० सालों से आप 'हैदराबाद' में बसे हैं और आभूषण के कारोबार से जुड़े हैं। श्री जैन श्रावक संघ कोरा छावनी सिकंदराबाद के मंत्री, मरुधर केसरी गुरु सेवा समिति हैदराबाद और सोजत के उपाध्यक्ष, उपाध्याय प्रवर श्री गुरु गौतम विमल शांति गौशाला के महामंत्री पद पर कार्यरत हैं, अन्य कई संस्थानों से भी जुड़े हुए हैं। जय भारत! **- मेरा राजस्थान**

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!
INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
INDIA GATE का नाम
Remove INDIA Name From The Constitution
'भारतद्वार' लिखवायें

जयंतीलाल अखावत

अध्यक्ष सोजत जैन संघ बेंगलुरु
सोजत निवासी-बेंगलुरु प्रवासी
भ्रमणध्वनिः 9845023994

जयंतीलाल जी अपनी जन्मभूमि 'सोजत' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि पहले और आज के 'सोजत' में काफी परिवर्तन आ गया है, विशेषकर जैन समाज के पूर्व में 'सोजत' में हजार से अधिक परिवार निवास करते थे, आज लगभग १०० परिवार निवास करते हैं। 'सोजत' के सामाजिक माहौल बहुत ही उत्तम है, हर समाज के लोग यहां बसे हैं, जैन समाज का यहां कई जैन मंदिर है, जिनमें आदेश्वर दादा जी का और गौडी पार्श्वनाथ जी का मंदिर प्राचीन और प्रमुख माना जाता है। पांच स्थानक भी हैं, न्याती न्योरा और बगीची भी बनी है, हिंदू देवी-देवताओं में भी कई प्राचीन और प्रमुख मंदिर हैं, यहां होली में जैन समाज की गैर सबसे पहले निकलती है, उसके बाद अन्य समाज की गैर निकलती है और यह गैर गांव से होते हुए किले तक जाती है, जो यहां का सबसे प्राचीन किला है, इसके बाद ७ दिनों का शीतला अष्टमी का भव्य मेला लगता है, जिसमें गांव वालों के साथ-साथ आसपास के लोग भी मेले का आनंद उठाने आते हैं, यहां समाज द्वारा उम्मेद गौशाला भी संचालित है। 'सोजत' में आज छोटी-बड़ी कई इंडस्ट्रीज भी है। 'सोजत' विशेषकर मेहंदी के खेती और निर्माण कार्य के लिए बड़े पैमाने पर जाना जाता है, यहां की मेहंदी पूरे विश्व में प्रसिद्ध है, जिसका निर्यात भी किया जाता है, 'सोजत' में मेहंदी की बहुत बड़ी मंडी है। 'सोजत' में आवागमन भी बहुत अच्छा है, यहां बहुत पहले से ही हवाई पट्टी बनी हुई है, जहां जरूरत पड़ने पर उपयोग की जाती है। 'सोजत' का सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन 'सोजत रोड' है और यह क्षेत्र नेशनल हाईवे से भी जुड़ा है। 'सोजत' में प्राचीन समय की कुछ हवेलियां भी हैं, प्राकृतिक रूप से भी 'सोजत' बहुत ही उत्तम है, यहां तालाब है और भी कई विशेषताएं हैं हमारे 'सोजत' में....

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का एक ही नाम रहना चाहिए 'भारत'!

गाय को राष्ट्रमाता का सम्मान अवश्य मिलना चाहिए।

जयंतीलाल जी का जन्म और शिक्षा 'सोजत' में संपन्न हुई है, पिछले कई वर्षों से आप 'बेंगलुरु' में बसे हैं और कपड़ा व्यवसाय से जुड़े हैं, साथ ही सामाजिक क्षेत्र में भी सक्रिय रहते हैं। सोजत जैन संघ बेंगलुरु के अध्यक्ष हैं, अन्य कई सामाजिक संस्थाओं से भी जुड़े हैं। जय गौमाता! जय भारत! **- मेरा राजस्थान**

शांतिलाल एम. लोढ़ा

व्यवसायी व समाजसेवी
सोजत रोड निवासी-चेन्नई प्रवासी
भ्रमणध्वनिः 9840860707

शांतिलाल जी अपनी पैतृक भूमि 'सोजत रोड' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि पहले और आज के 'सोजत' में बहुत अंतर आ गया है, पहले एक छोटा सा गांव था, आज हर क्षेत्र में बस्तियां बढ़ने लगी हैं, बाजार भी बढ़ गया है, आवागमन के साधन अच्छे हो गए हैं, यह नेशनल हाईवे से भी जुड़ा हुआ है, 'सोजत रोड' मुख्य रेलवे स्टेशन है। प्राकृतिक रूप से भी क्षेत्र बहुत ही सुंदर है, यहां जैन मंदिर, स्थानक, दादावाड़ी बनी हुई है, हिंदू देवी-देवताओं के भी कई मंदिर स्थापित हैं, यहां का सामाजिक वातावरण बहुत ही अच्छा है, हर धर्म-समाज के लोग बसे हुए हैं, सोजत हमेशा से ही अपनी मेहंदी की खेती और निर्माण कार्य के लिए जाना जाता है, 'सोजत रोड' चूने के निर्माण के लिए विख्यात है, यहां चूने के कई सारे भट्टे हैं। सोजत का बाजार सबसे अधिक सोजत सिटी में है, इसके अलावा 'सोजत रोड' में बहुत बड़ी कृषि मंडी है, यहां खेती-बाड़ी अच्छी होती है, अनाज की पैदावार भी उत्तम है, यहां की मेहंदी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी विख्यात है, आज सोजत आर्थिक रूप से समृद्ध है, यहां कई बड़े-बड़े होटल भी बन गए हैं, लोगों के रहने और ठहरने और खान-पान की अच्छी व्यवस्था है, 'सोजत' तहसील में कई छोटी-बड़ी गौशालाएं हैं और भी कई विशेषताएं हैं हमारे 'सोजत' में.....

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि यह राजनीतिक विषय है और इसे राजनेताओं द्वारा ही सुलझाया जा सकता है।

गाय हमारे लिए बहुत ही पूजनीय है, उनकी हम पूजा करते हैं, अतः गाय के संरक्षण और संवर्धन के लिए 'राष्ट्रमाता' का सम्मान अवश्य मिलना चाहिए।

शांतिलाल जी मूलतः राजस्थान के पाली जिले में स्थित 'सोजत रोड' के निवासी हैं, आपका जन्म और संपूर्ण शिक्षा 'चेन्नइ' में संपन्न हुई है, यहां सिल्वर आभूषणों के कारोबार से जुड़े हैं, साथ ही सामाजिक क्षेत्र में भी सक्रिय रहते हैं, स्थानकवासी जैन श्रावक संघ व सोजत जैन संघ तमिलनाडु के सदस्य हैं। जय गौमाता! जय भारत!

- मेरा राजस्थान

गोशाला में झण्डे लगे, गो-माता हर्षाय।
करें गाय की वंदना, गाय बढ़ाती आय।।
'गौमाता बनें राष्ट्रमाता' अभियान को समर्थन दिया जाय।।।

विनयचंद पावेचा

अध्यक्ष श्री एसएस जैन पुरुषवाक्कम
सोजत निवासी-चेन्नई प्रवासी
भ्रमणध्वनिः 9840233500

विनयचंदजी अपनी पैतृक भूमि 'सोजत सिटी' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि भले ही हम अपने पैतृक भूमि में जन्म नहीं लिया हो पर पैतृक भूमि-जन्मभूमि हर किसी को प्रिय होती है। 'सोजत' का सामाजिक वातावरण बहुत ही उत्तम है, हर धर्म-समाज के लोग बसे हुए हैं। 'सोजत' का खान-पान व आबो हवा बहुत ही उत्तम है। 'सोजत' का धार्मिक माहौल भी बहुत अच्छा है, हर धर्म के धार्मिक स्थान बने हुए हैं। जैन समाज के मरुधर केसरी मिश्रीमलजी महाराज साहब का अस्थि कलश गुरु सेवा समिति में रखा हुआ है, यहां कई जैन मंदिर हैं, जिसमें गौडी पारसनाथजी का मंदिर सबसे पुराना है। 'सोजत' अपने मेहंदी की खेती और निर्माण कार्य के लिए पूरे विश्व में विख्यात हैं, यहां की मेहंदी बहुत ही उत्तम गुणवत्ता वाली होती हैं, इसके निर्माण के लिए यहां छोटे-बड़े कई कारखाने हैं। 'सोजत रोड' में कृषि मंडी भी है। आवागमन भी उत्तम है, रेल और सड़क दोनों ही संपर्क माध्यमों से जुड़ा है, ऐसी और कई विशेषताएं हमारे 'सोजत' में........

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि बिल्कुल अपने देश का एक ही नाम रहना चाहिए 'भारत', 'इंडिया' तो अंग्रेजों द्वारा थोपा गया नाम है, हमारी पहचान 'भारत' नाम से थी और 'भारत' नाम से ही रहनी चाहिए। गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान मिले इस अभियान का मैं समर्थन करता हूं, सनातन धर्म में सात माता का उल्लेख किया गया है, जिसमें पहले जन्म देने वाली माता, दूसरी धाई माता, तीसरी धरती माता, चौथी गुरु माता, पांचवी ब्राह्मण की पत्नी माता, छठी ऋषि पत्नी माता तथा सातवीं गौमाता, गाय से हमें बहुत कुछ प्राप्त होता है, इसीलिए उनका सम्मान और संरक्षण के लिए उन्हें 'राष्ट्रमाता' का सम्मान मिलना ही चाहिए।

विनयचंद जी का जन्म एवं शिक्षा 'बेंगलुरु' में संपन्न हुई, तत्पश्चात उनका 'चेन्नई' में आगमन हुआ। यहीं पर उनकी शादी हुई, आपका इलेक्ट्रिकल का व्यवसाय है, साथ ही विनयचंदजी श्री एस. एस. जैन संघ पुरुषवाक्कम के मंत्री तथा अध्यक्ष भी रह चुके हैं, इनके मंत्री के कार्यकाल में २०१४ में पुष्पकंवरजी म.सा. का चातुर्मास संपन्न हुआ और २०१५ में ज्ञान मुनि जी महाराज साहब के चातुर्मास में उपाध्यक्ष भी रहे, २०२३ में चैतन्यश्रीजी म.सा.का ऐतिहासिक चातुर्मास आपकी अध्यक्षता में संपन्न हुआ। २०२५ के समकितमुनिजी म.सा. का चातुर्मास में मंत्री पद को भी आप गौरवान्वित कर चुके हैं एवं सोजत संघ में कार्यकारिणी के पद पर भी रह चुके हैं और भी कई सामाजिक एवं सेवा संगठनों से जुड़ हैं। जय भारत! **- मेरा राजस्थान**

चोलाराम जाट

व्यवसायी व समाजसेवी
सोजत निवासी-कोयंबटूर प्रवासी
भ्रमणध्वनिः 9443357617

चोलाराम जी अपनी जन्मभूमि 'सोजत सिटी' की विशेषताओं का उल्लेख करते हुए कहते हैं कि 'सोजत' तहसील के अंतर्गत 'सोजत सिटी' और 'सोजत रोड' दोनों ही हैं, दोनों में लगभग ९ किलोमीटर की दूरी है, प्रमुख रेलवे स्टेशन 'सोजत रोड' है जो कुछ वर्ष पूर्व ही बना है, जिस तरह 'सोजत सिटी' मेहदी के लिए पूरे विश्व में विख्यात है, उसी तरह 'सोजत रोड' में चुना के निर्माण का कार्य बड़े पैमाने पर होता है। 'सोजत' की अजवाइन भी बहुत प्रसिद्ध है। सोजत रोड से १ किलोमीटर की दूरी पर 'धुंधला' नामक स्थान पर श्रीमनकेश्वर महादेव जी का मंदिर है, जहां सावन के प्रथम सोमवार पर विशाल भजन संध्या का आयोजन किया जाता है, जिसमें हजारों की संख्या में लोग उपस्थित होते हैं, दशहरे में रावण दहन का कार्यक्रम भी यहां बड़े धूमधाम से मनाया जाता है, इसके अलावा हर पर्व पर लोग सम्मिलित होते हैं। जैन समाज के गुरु भगवंत का भी यहां समय-समय पर चातुर्मास होता रहता है, यहां जैन समाज के भवन व मंदिर हैं। शिक्षा की बात की जाए तो आज यहां एक कॉलेज और विद्यालय खुल गया है। अस्पताल की भी संख्या अच्छी है। 'सोजत' से कुछ दूरी पर ही एयरपोर्ट है, जहां पर कभी-कभी हवाई जहाज उतरते हैं। 'सोजत' में सुकड़ी नदी बहती है। 'सोजत सिटी' में प्राचीन किला है, खान-पान भी यहां का उत्तम है, 'सोजत' में समाज द्वारा संचालित कई गौशालाएं हैं और भी कई विशेषताएं हैं हमारे 'सोजत' में...

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का एक ही नाम रहना चाहिए 'भारत'! इस अभियान का मैं समर्थन करता हूं।

'गाय' हमारे लिए पूजनीय है, धार्मिक क्रियाकलापों में भी 'गाय' का बहुत महत्व है, उससे मिलने वाली वस्तुएं बहुत ही मूल्यवान होती हैं, इसलिए गायों के संरक्षण के लिए गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मन अवश्य मिलना चाहिए।

चोलाराम जी का जन्म और शिक्षा 'सोजत' में संपन्न हुई है, पूर्व में आप 'चेन्नई' में रहे, वर्तमान में आप कोयम्बटूर में बसे हैं। कपड़ा, रियल एस्टेट व अन्य कई कारोबार से जुड़े हैं, साथ ही सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रहते हैं। राजस्थान संघ कोयम्बटूर व जाट समाज के सदस्य हैं। जय भारत! **- मेरा राजस्थान**

ध्वज रंगीला गाय का, लहर-लहर लहराय।
धर्म सनातन कहता यही, देखे मन हर्षाय।।
'गौमाता बनें राष्ट्रमाता' अभियान को समर्थन दिया जाय।।।

आइये हम सभी 'जय भारत' से अपने सुधिजनों का अभिवादन करें। जय भारत!
INDIA को भारतीय संविधान से विलुप्त किया जाए
INDIA GATE का नाम
Remove INDIA Name From The Constitution
'भारतद्वार' लिखवायें
भारत को 'भारत' ही बोला जाए

गोपाल शर्मा (जांगिड़ ब्राम्हण)
व्यवसायी व समाजसेवी
झोझू निवासी-छत्तीसगढ़ प्रवासी
भ्रमणध्वनि: 9893262390

गोपाल जी 'विश्वकर्मा जयंती' की शुभकामनाएं देते हुए कहते हैं कि हम सभी विश्वकर्मा जयंती इस वर्ष ३१ जनवरी को मनाएगें, श्री विश्वकर्मा भगवान हमारे आराध्य देव हैं यह उत्सव बड़े धूमधाम से मनाते हैं, इस महाउत्सव में कथा करवाते हैं, मुर्ती बैठाते हैं, भण्डारा करवाते हैं, औजारों व मशीनों की पूजा करते हैं, इस दिन मशीनें बंद रहती हैं, स्टाफ की छुट्टी रहती है, डाक्टरों का शिविर लगाया जाता है।

आज की युवा पीढ़ी पढ़ने-लिखने दूसरे शहर चले जाते हैं और अंर्तजातीय विवाह कर लेते हैं, यह सबसे बड़ा विषय है, इस पर समाज बिल्कुल भी ध्यान नहीं दे रहा, इस विषय पर समाज को प्रतिबंध लगाना चाहिए, कहने का मतलब अपने ही समाज में शादा-ब्याह होनी चाहिए।

गाय माता को राष्ट्रीय गोऊ माता का सम्मान ज़रूर मिलना चाहिए, सनातन धर्म में गौमाता को पूजनीय माना गया है।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से भारत को 'भारत' ही बोलना चाहिए, इंडिया नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत'!

गोपाल जी जांगिड़ (ब्राम्हण) मूलतः झोझू निवासी व छत्तीसगढ़ प्रवासी हैं। आपका जन्म व सम्पूर्ण शिक्षा 'छत्तीसगढ़' में सम्पूर्ण हुई, आप जांगिड़ ब्राम्हण समाज संस्था से जुड़े हैं और उद्योगपति हैं। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिला में १० फैक्ट्रीयां संचालित हैं, आपकी उपलब्धियों छत्तीसगढ़ में २००६ को मुख्यमंत्री रमन सिंह के हाथों द्वारा 'बेस्ट उद्योगपति रत्न अवार्ड से आपको सम्मानीत किया गया। राष्ट्रीय उद्योग रत्न अवार्ड २००८ पूर्व सी.बी.आई डायरेक्टर श्री जोगिंदर सिंह जी द्वारा सम्मानित किया गया। नेशनल अवार्ड' २००९ प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी द्वारा प्रदान किया गया। अंतर्राष्ट्रीय अवार्ड २००९ नेपाल के प्रधानमंत्री के.के. ओली शर्मा जी द्वारा सम्मानित किया गया। ऑल इंडिया ह्युमन राईटस एसोसिएशन नई दिल्ली २०११ से सम्मानित किया गया। डॉक्ट्रेट अवार्ड २०१८ को सम्मानित किया गया। जय गौ माता! जय भारत!

- मेरा राजस्थान

रामराज जांगिड़
व्यवसायी व समाजसेवी
मेड़ता सिटी निवासी-चेन्नई प्रवासी
भ्रमणध्वनि: 9840110069

रामराज जी 'विश्वकर्मा जयंती' की शुभकामनाएं देते हुए कहते हैं कि भगवान विश्वकर्मा हमारे आराध्य हैं, जांगिड़-सुथार समाज उन्हीं के वंशज कहे जाते हैं, उनकी कृपा ही आज संपूर्ण समाज शिल्प कला के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि प्राप्त कर रहा है, वर्तमान समय में अन्य क्षेत्रों में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा हैं। भगवान विश्वकर्मा को सृष्टि का रचयिता कहा जाता है, उन्होंने संपूर्ण सृष्टि में विभिन्न महलों-प्रसादों की रचना की है, सभी देवी-देवताओं को प्राप्त अस्त्र-शस्त्र भगवान विश्वकर्मा जी की ही निर्मिती है। उनकी कृपा दृष्टि संपूर्ण समाज पर बनी रहे, यही कामना करते हैं। 'विश्वकर्मा जयंती' के अवसर पर चेन्नई में जांगिड़-सुथार समाज द्वारा विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, एक दिन पहले रात्रि भजन संध्या व दूसरे दिन अन्य कार्यक्रम होते हैं, जिसमें समाज के सभी लोग सम्मिलित होते हैं।

आज की युवा पीढ़ी अपने धर्म-समाज से जुड़ी है, उन्हें उचित मार्गदर्शन मिले तो युवा पीढ़ी और आगे बढ़ सकती है, समाज की युवा पीढ़ी भी अपने परिवार की कला कौशल्य को अपनाने में पीछे नहीं हटते।

गाय को 'राष्ट्रमाता' का सम्मान अवश्य मिलना ही चाहिए, साथ ही उनकी सेवा और सुरक्षा जरूरी है।

'भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए' INDIA नहीं, एक राष्ट्र-एक नाम केवल 'भारत' राष्ट्रीय अभियान के संदर्भ में आपका कहना है कि निश्चित रूप से अपने देश का एक ही नाम, एक ही पहचान रहनी चाहिए 'भारत', इस राष्ट्रीय अभियान का मैं पूर्ण समर्थन करता हूं।

रामराज जी मूलतः राजस्थान स्थित 'मेड़ता सिटी' के निवासी हैं। आपका जन्म व शिक्षा यही संपन्न हुई है, पिछले कई वर्षो से आप 'चेन्नई' में बसे हैं और फर्नीचर कारोबार से जुड़े हैं, साथ ही सामाजिक कार्य में भी सक्रिय रहते हैं, जांगिड़ ब्राह्मण सभा चेन्नई के सदस्य हैं। जय गौ माता! जय भारत!

-मेरा राजस्थान

समस्त राजस्थानी समाज की एकमात्र पत्रिका
'मेरा राजस्थान' के सभी पाठकों को विश्वनाथ भरतिया परिवार
की तरफ से हार्दिक शुभकामनाएं!

भारत को केवल 'भारत' ही बोला जाए अब तो इंडिया नहीं

गोबर से संसार में, घर, चौसर औ खेत। विकिरण मेटे सहज में, गो-पालन से हत।।

तिरंगे के सम्मान में गूंजे 'जय हिंद' के नारे – श्री माहेश्वरी सभा

चेन्नई: श्री माहेश्वरी सभा, चेन्नई द्वारा मिंट स्ट्रीट स्थित माहेश्वरी भवन के प्रांगण में भारत का ७७वां गणतंत्र दिवस अत्यंत उत्साह, देशभक्ति और गरिमा के साथ मनाया गया, इस अवसर पर सभा की कार्यकारिणी, विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में गणमान्य सदस्य उपस्थित थे।

कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण के साथ हुई, तिरंगा फहराते ही संपूर्ण परिसर 'वंदे मातरम' एवं 'जय भारत' के गगनभेदी नारों से गूंज उठा और वातावरण देशभक्ति से ओतप्रोत हो गया, इसके पश्चात वक्ताओं ने गणतंत्र दिवस के ऐतिहासिक महत्व, भारतीय संविधान की गरिमा तथा नागरिक कर्तव्यों पर अपने विचार व्यक्त किए।

सभा के अध्यक्ष गौरी शंकर राठी ने स्वागत भाषण में कहा कि ७७वें गणतंत्र दिवस के इस पावन अवसर पर हम संविधान के प्रति अपनी आस्था पुन: व्यक्त करते हैं और यह संकल्प लेते हैं कि श्री माहेश्वरी सभा सदैव समाज, राष्ट्र और मानवता की सेवा में अग्रणी भूमिका निभाती रहेगी।

२६ जनवरी १९५० का दिन भारतीय इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है, इसी दिन भारत ने अपना संविधान अपनाकर स्वयं को एक संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित किया, यह उपलब्धि हमें हमारे स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, संघर्ष और बलिदान के कारण प्राप्त हुई है।

तमिलनाडु, केरल एवं पांडिचेरी प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष प्रमोद मालपानी ने कहा कि आज हम जो स्वतंत्रता और अधिकारों के साथ जीवन जी रहे हैं, वह हमारे वीर शहीदों की अमूल्य देन है, गणतंत्र दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि स्वतंत्रता के साथ-साथ कर्तव्यों का निर्वहन भी उतना ही आवश्यक है।

मद्रास माहेश्वरी चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी महेंद्र मोहता ने कहा कि गणतंत्र का वास्तविक स्वरूप तभी साकार होगा जब हम ईमानदारी, अनुशासन और भाईचारे के साथ राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दें। स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, ट्रैफिक नियमों का पालन और सामाजिक सद्भाव ये सभी हमारे राष्ट्रीय दायित्व हैं।

रजत वर्ष के पूर्व अध्यक्ष मोहनलाल बजाज ने कहा कि हमारे संविधान ने हमें अधिकारों के साथ-साथ एक सशक्त पहचान दी है, यह हम सभी का दायित्व है कि हम इसकी मर्यादा बनाए रखें और भावी पीढ़ी को एक सुदृढ़ एवं समृद्ध भारत सौंपें, इस अवसर पर सभा के उपाध्यक्ष कमल किशोर गोयदानी एवं हरिकिशन मुंधड़ा, सहसचि जगदीश गोदानी, कोषाध्यक्ष अनुराग माहेश्वरी, श्री माहेश्वरी फूड बैंक चैरिटेबल ट्रस्ट के चेयरमैन जयप्रकाश मालपानी, माहेश्वरी क्लब के सचिव मुरली लाखोटिया, माहेश्वरी युवा मंडल के अध्यक्ष सुदर्शन मंत्री, माहेश्वरी सत्संग समिति के उपाध्यक्ष अनिल घुरका, कुशल माहेश्वरी, किशन झवर, सुरेश कोठारी, श्याम सुंदर भूतड़ा, सत्यनारायण भूतड़ा, विनोद द्वारकानी, मदन राठी, सेलम से मनोज चांडक, रामरतन चांडक, अशोक गोयदानी, जुगल किशोर बिसानी, हरिरतन राठी, पवन मोहता, प्रदीप माहेश्वरी, डूंगरदास बिसानी सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

कार्यक्रम का समापन 'वंदे मातरम' के साथ राष्ट्रभक्ति नारों के साथ हुआ, अंत में सभा के सह-सचिव जगदीश गोदानी ने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों एवं सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। जय भारत!

भगवान विश्वकर्मा जयंती के पावन पर्व
पर हार्दिक शुभकामनायें

Ramraj Jangid
Mob: 9840110069

RANA INTERIOR
All type of Plywood, Pup, Granite, Marble, Upvc, Paint, Iron & Steel etc..
18.Vinnayga Maistry Street, Sowcarpet
Chennai, Tamil Nadu, Bharat- 600079

गो-सेवक परिवार आपसे मिल कर प्रसन्न है।
गौ माता बनें राष्ट्रमाता अभियान के समर्थन का निवेदन
Nemichand Goutham Chand Choradia
Mob. : 9845013016 | 9448505055
NGC impex
No:11/2, G-10th Street, Jogupalayam, Halasuru,
Bangalore, Karnataka, Bharat- 560 008
Email: ngcimpex@gmail.com | Tel: 080 25545555

श्री ब्रज उत्सव संस्थान ट्रस्ट एवं श्री ब्रज उत्सव सखी क्लब के तत्वाधान में हण्डा समारोह

मुंबई: श्री विनोद गोयल संस्थान के मंत्री ने हण्ड़ा पर प्रकाश डालते हुये बताया कि बृज क्षेत्र में हर वर्ष जनवरी से मार्च के मध्य में अनेक हण्ड़ा (गोष्ठी) का आयोजन किया जाता है।

संस्थान हर वर्ष योग्य युवा को 'युवा गौरव सम्मान' करती आ रहे हैं, उसी श्रृंखला में इस वर्ष श्री वैभव सुभाष अग्रवाल जी को संस्थान ने निश्चय किया था। उसी अनुरूप 'युवा गौरव सम्मान' श्री वैभव सुभाष अग्रवाल जी का किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डाल चंद गुप्ता एवं डॉ श्याम अग्रवाल का भी सम्मान किया गया। अतिथि विशेष श्याम लाल अग्रवाल एवं डॉ आरती जी का संस्था द्वारा स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में संस्थान के अध्यक्ष श्री महेश बंशीधर जी अग्रवाल कोषाध्यक्ष श्री सुरेश जी अग्रवाल श्री चंद्रकांत जी बृजवासी, श्री रमनलाल जी अग्रवाल, श्री कानबिहारी अग्रवाल, सुभाष जी अग्रवाल गोकुलधाम, सुभाष जी थाने एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने कार्यक्रम में सम्मिलित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

गो-सेवक परिवार आपका स्वागत करता है।
गौ माता बनें राष्ट्रमाता अभियान के समर्थन का निवेदन

Shyam lal Agarwal Choudhary
Mob: 9339150930
1, Old Court House Corner Room No 301,
Kolkata, West Bengal, Bharat-700001

गो सेवक परिवार आपके गो पालन से प्रभावित है
गौ माता बने राष्ट्र माता अभियान के समर्थन का निवेदन

RUCHI ISPAT
IRON AND STEEL DELEARS
84, Sembudoss Street, Chennai, Bharat- 600001
Tel: 42162228/42162229 | Email: ruchiispat@gmail.com
TRIBHWAN BAGRI
Mob.: 9444026212 / 9884326212

गो-सेवक परिवार आपका मंगलाकांक्षी है।
गौ माता बनें राष्ट्रमाता अभियान के समर्थन का निवेदन

SURYA KANT ADUKIA
Mob.: 09864021784
38, Bhaskar Nagar, Zoo Road, Near Commerce College,
Aunty Shop By Lane, Guwahati, Assam, Bharat-781021

गो-सेवक परिवार की कामना, गो-वंश की बढ़ोतरी हो।
गौ माता बनें राष्ट्रमाता अभियान के समर्थन का निवेदन

Rajendra Kumar Mathur
(ADVOCATE)
Mob. : 9829373599
Chamber No.1, Court Premises,
Deedwana, Rajasthan, Bharat- 341303

श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर का वार्षिकोत्सव एवं १०१वाँ स्थापना दिवस मनाया गया

जयपुर: श्री माहेश्वरी समाज, जयपुर के वार्षिकोत्सव एवं १०१वें स्थापना दिवस सूर्य सप्तमी को प्रतिभा सम्मान समारोह में मेरे पौत्र एवं श्री जयकृष्ण परवाल के पुत्र राहुल परवाल को सॉफ्टवेयर टैस्टिंग्स विषय पर एडिनबर्ग में बेस्ट स्पीकर के रूप में यूरोस्टार २०२५ ट्यूटोरियल अवार्ड मिलने के उपलक्ष में समाज द्वारा सम्मानित किया गया, यह अवार्ड एशिया के स्पीकर को ३० वर्ष बाद पहली बार मिला है। इस विशेष उपलब्धि हेतु राहुल को बहुत बहुत बधाई एवं शुभकामनायें।

राहुल परवाल अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के पूर्व संयुक्त मंत्री एवं पूर्वोत्तर राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष व 'मेरा राजस्थान' पत्रिका के प्रबुद्ध पाठक व सहयोगी राधेश्याम परवाल के पौत्र हैं।

अग्र परिवार द्वारा बुजुर्गों का हुआ सम्मान

मुंबई: अग्रबंधु सेवा समिति, मुंबई ने मकर संक्रांति के उपक्ष में राधिका ओल्ड एज होम विरार में सेवा प्रकल्पों के अन्तर्गत १७ जनवरी को 'मकर संक्रांति' के उपलक्ष्य में (राधिका ओल्ड एज होम) विरार में अग्रबंधु स्त्रोत सेवा समिति द्वारा सस्था अध्यक्ष अमरीशचन्द्र अग्रवाल ट्रस्टी एवं प्रेरणा लक्ष्मीनारायण अग्रवा (मनु सेठ) के सानिध्य, मानद मंत्री उदेश अग्रवाल व कोषाध्यक गोपालदास के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सभी बुजुर्ग महिलओं और पुरुषों को एक दिन का भोजन कराया गया और भोजन की राशन सामग्री और वस्त्रों आदि का वितरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन अध्यक्षा सुधा अग्रवाल, उपाध्यक्षा ज्योति अग्रवाल स्नेहल ता गुप्ता के निर्देशन में किया गया। मन्त्री मधु अग्रवाल कोषाध्यक्षा अनिता अग्रवा ने आश्रम के बुजुर्गों से मिकर उनके साथ कुछ समय व्यतीत किया। जिससे वहाँ पर रह रहे व्यक्तियों के चेहरे पर खुशियाँ झक रही थी। जया गोय, सीमा गुप्ता ने भी अपना भरपूर सहयोग दिया। संयुक्त मन्त्री बबीता गोय और सविता अग्रवा ने सबका आभार व्यक्त किया।

गो-सेवक परिवार आपका मंगलाकांक्षी है।
गौ माता बनें राष्ट्रमाता अभियान के
समर्थन का निवेदन

Purushottam Lal Baheti
Mob: 9163019624

Sunil Baheti
Mob: 9831101275

L. P. Sarees Pvt. Ltd

4B, Chetan Sett Street (Above Axis Bank),
Sikaria Tower, Kolkata, West Bengal, Bharat-700007
Off: 033-35448660 I email: lpsaree@gmail.com

WHOLESALE DEALERS IN : FANCY HAND EMBROIDERY SAREES

गो-सेवक परिवार आपके विकास का अभिलाषी है।
गौ माता बनें राष्ट्रमाता अभियान के समर्थन का निवेदन

श्री चमड़िया कुलदेवी शक्ति मन्दिर
फतेहपुर - शेखावाटी (राजस्थान)

श्री सिताराम पुरुषोत्तमदास चमड़िया
की स्मृति में

भारत को 'भारत' ही बोला जाए Remove 'INDIA' Name From The Constitution

DISCIPLINE CHARACTER EDUCATION

SESOMU SCHOOL

A 26-year-old CBSE affiliated co-educational school with hostel facilities for boys & girls

N.H. 11, Sri Dungargarh -331803, Dist. Bikaner, Rajasthan Tel.: 01565-223025, 224330 Mob. 9929148730, 8955069925
Website: www.sesomu.org : E-mail: principalsesomu@gmail.com

ADMISSION OPEN IN CLASSES NUR. TO IX & XI - SCIENCE, COMMERCE AND ARTS

ATAL TINKERING LAB

SESOMU is The Only CBSE School In The Area Having

ISO 9001-2005 Certification

IBM Certification

Next..Education Transforming Education

WHERE EUDCATION IS A HOLISTIC CONCEPT AND VALUES ARE AT THE CORE OF IT

जहाँ शिक्षा एक समग्र अवधारणा है और संस्कार इसकी आधारशिला है

Our focus:

- Holistic development of every child through Yoga and other spiritual and literary activities in regular morning assembly.
- Grooming up future achievers with deep-rooted faith in Indian culture in a homely atmosphere with parental love and affection.
- Building up strong foundation of Mathematics by removing Maths phobia.
- Developing strong base of English grammar with speaking fluency through language lab.
- Free extra classes in different subjects for slow learners
- Fairness in examination system and showing real marks on the report card to develop right attitude in life.
- Stress-free disciplined atmosphere on the campus.
- Frequent counseling to direct the thought process of young children in right direction.
- Facilities of Abacus Classes.
- Different inter-house competitions every weekend.
- Physical development through yoga, games, swimming etc.

Excellent Infrastructure :

- Air-conditioned classrooms providing a comfortable and refreshing learning environment for students.
- Huge pollution-free green campus with 24-hour security.
- Maximum 35 students in any section to ensure individual attention.
- 'ATAL Tinkering Lab' of Government of India to promote innovative ideas of children.
- Classrooms equipped with Hi-tech smart boards.
- Huge library and well equipped laboratories for differe subjects .
- Large playgrounds and courts for different games and special training for games by experienced coaches.
- On-campus dairy and farmhouse for pure milk and fress vegetables.
- Well maintained covered swimming pool.
- Vegetarian mess for fresh food.
- Huge multipurpose auditorium
- Low budget, high standards!!

Please scan the QR code to watch the school video

Foundation Classes for NEET, JEE & CA

NOT JUST ONE OR TWO TOPPERS, WE TAKE CARE OF EVERY STUDENT AND THUS SPEAK OUR RESULTS

ACHIEVEMENTS IN GAMES & SPORTS (2025-'26)

- Runner up - CBSE National Handball Competition (U-19 Boys)
- Winner - CBSE West Zone Handball Competition (U-19 Boys)
- 3rd - CBSE West Zone Handball Competition (U-19 Girls)
- 3rd - CBSE West Zone Handball Competition (U-14 Boys)
- Winner - District Handball Competition (U-19 Boys)
- Winner - District Handball Competition (U-14 Boys)
- Runner up - District Handball Competition (U-19 Girls)
- Runner up - District Handball Competition (U-17 Boys)
- Runner up - District Handball Competition (U-17 Girls)
- 3rd - District Handball Competition (U-14 Girls)

17 Players Selected for State level In different Games

CBSE BOARD RESULTS (2024-'25)

Class / Range	Class-XII (Highest Score 94.4%) OUT OF 49 STUDENTS	Class-X (Highest Score 96.6%) OUT OF 54 STUDENTS
90%-100%	03	08
80%-89%	12	11
70%-79%	14	12
60%-69%	12	13
50%-59%	07	10

- 84% Students of class-XII scored above 70% marks
- 81% Students of class-X scored above 70% marks

ACHIEVEMENTS IN CULTURAL ACTVITIES (2024-'25)

Sub-Division Level Independence day Programme (Parade) ▸ 1st : Sub-Division Level Independence day Programme (Group Dance) ▸ 2nd

RNI No. MAHHIN/ 2003/11570
Postal Registration No. MCN/113/2025-2027
WPP License No. MR/Tech/WPP-246/North/2025-27
License to post without prepayment'
Published on 28/01/2026 & Posting on 30th of every previous Month
at Marol Bazar Post Office, Mumbai - 400 059.

ADD Gel®
LEADERS IN WRITING TECHNOLOGY

24 SHADES

CALLIGRAPHY
GIFT OF CREATIVITY

Best Gift for Birthday

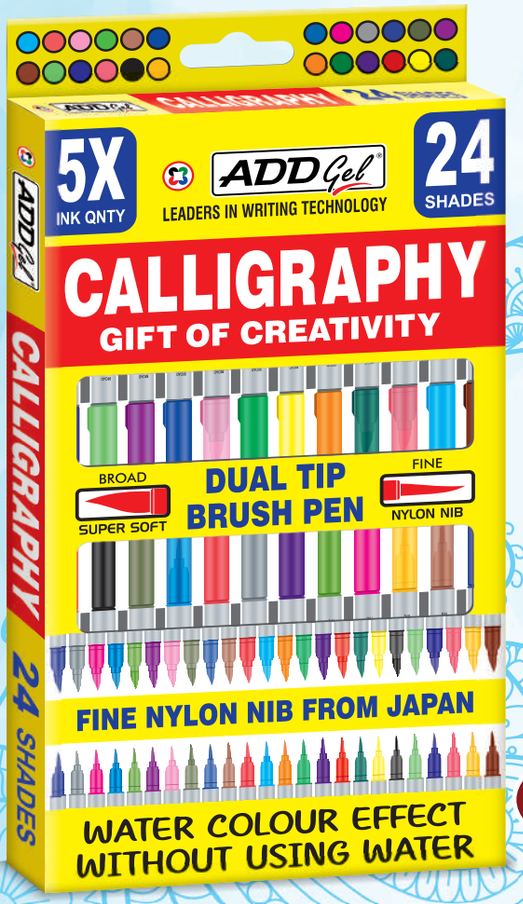

DUAL TIP BRUSH PEN

FINE NYLON NIB FROM JAPAN

BROAD
SUPER SOFT
FINE
NYLON NIB

MRP ₹450/- PER PACK

Make in India

www.shop.addpens.com

गेलार्ड पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए संपादक, मुद्रक व प्रकाशक बिजय कुमार जैन द्वारा विनय ग्राफिक्स, युनिट नं 13, रवी इन्ड. को.-ऑप. सोसाइटी लि., 25 महल इन्ड ईस्टेट, महाकाली केव्हज रोड अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत - 400093 से मुद्रित करवाकर बी-217, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट, मरोल, अंधेरी पूर्व, मुम्बई, महाराष्ट्र, भारत - 400 059 से प्रकाशित किया गया, टेलीफैक्स-022-4015 8094
अणुडाक - mailgaylordgroup@gmail.com अन्तरताना - www.merarajasthan.co.in